मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 215
गुरुवार, 20 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

शिवाजी महाराज का अपमान करने वालों को राज्य माफ नहीं करेगा : देवेंद्र फडणवीस

पुणे, 19 फरवरी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें योग्य प्रशासक करार दिया। उन्होंने कहा कि शिवाजी ने एक कल्याणकारी राज्य के संचालन का उदाहरण स्थापित किया था। फडणवीस ने पुणे जिले के शिवनेरी किले में मराठा सम्राट को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि जो लोग छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने की कोशिश करेंगे, उन्हें उनकी असली जगह दिखाई जाएगी और राज्य उन्हें माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने न सिर्फ स्वराज्य की स्थापना की, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जगाई। महान योद्धा शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को पुणे जिले की जुन्नर तहसील के शिवनेरी में हुआ था। मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर शिवनेरी किले में आयोजित पालना अनुष्ठान समेत विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। मराठा सम्राट की 395वी जयंती पर आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग किले में एकत्र हुए। किले में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा, जब कई राजाओं और राज्यों ने मुगल शासन को स्वीकार कर लिया, तो राजमाता जीजाबाई ने छत्रपति शिवाजी महाराज को ऐसे नेतृत्व के रूप में देखा, जो शोषण और अत्याचार को खत्म करेंगे और लोगों को स्वराज्य की ओर ले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी मां से प्राप्त मूल्यों के साथ शिवाजी महाराज ने सभी समुदायों के लोगों को एकजुट किया और मावलों की एक सेना बनाई।

उन्होंने न केवल स्वराज्य की स्थापना की, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जगाई। फडणवीस ने शिवाजी महाराज के किलों के संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि वे मंदिरों से भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन किलों के संरक्षण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और इन सभी स्थलों से अतिक्रमण हटाने के लिए एक कार्य बल का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के तहत महाराष्ट्र के 12 किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का दर्जा देने के लिए नामित किया गया है। हाल ही में एक अभिनेता द्वारा योद्धा राजा के बारे में की गई विवादास्पद टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देते हुए, फडणवीस ने कहा, जो लोग शिवाजी महाराज का अपमान करने की कोशिश करते हैं, उन्हें उनकी असली जगह दिखाई जाएगी।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में बांधकर भेजना शर्मनाक : ममता बनर्जी

कोलकता, 19 फरवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अमेरिका से अवैध भारतीय प्रवासियों को बेड़ियों में बांधकर वापस भेजे जाने को शर्मनाक बताया और गरिमापूर्ण तरीके से उनकी वापसी सुनिश्चित नहीं करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। ममता ने उन अमानवीय परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की जिनके तहत निर्वासित लोगों को भारत वापस भेजा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के व्यवहार से बचा जा सकता था। उन्होंने मंगलवार को कहा, निर्वासित लोगों को बेड़ियों में बांधकर वापस भेजना शर्मनाक है। यह बहुत चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को निर्वासित लोगों को ऐसे हाल में छोड़ने के बजाय उन्हें लाने के लिए अपने विमानों की व्यवस्था करनी चाहिए थी। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री जी, क्या आपने इसकी जिम्मेदारी ली? जब आप अमेरिका में थे (आधिकारिक यात्रा पर), तो वहां से अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में बांधकर वापस भेजा गया। आप कम से कम यह तो कह सकते थे कि ये हमारे नागरिक हैं और हम इन्हें वापस ले जाएंगे। लेकिन ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा या विदेश नीति के मुद्दों पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर सकती थी कि पश्चिम बंगाल के नागरिकों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा, अगर हमारे लोग तैनात होते, तो हम उन्हें वापस लाने की जिम्मेदारी ले सकते थे। मुख्यमंत्री का यह बयान उन खबरों की पृष्ठभूमि में आया है, जिनमें कहा गया कि पश्चिम बंगाल के लोगों सहित कई अवैध प्रवासियों को अमेरिका से भेजने के समय कठोर बर्ताव किया गया।

मध्यप्रदेश के नेपानगर में स्कूल बस पलटने से 20 छात्र घायल

नेपानगर, 19 फरवरी। मध्य प्रदेश के नेपानगर में बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार स्कूल बस के एक नदी के किनारे पलट जाने से 20 छात्र घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। नेपानगर के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी निर्भय सिंह अलवा ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे धारणी नदी के पास हुई।

उन्होंने बताया कि तेज गति से चल रही बस सड़क से उतरकर पलट गई। अधिकारी के अनुसार, चार छात्रों के हाथ या पैर की हड्डी टूट गयी और उनके सिर में भी चोटें आई हैं। सभी घायल छात्रों को नजदीकी सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ छात्रों ने अधिकारियों को बताया कि उन्होंने चालक से बस की गति धीमी करने का अनुरोध किया था लेकिन उसने छात्रों की बात नहीं सुनी। यह घटना बुरहानपुर से 45 किलोमीटर और राज्य की राजधानी भोपाल से 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर हुई। बस नेपानगर के एक स्कूल जा रही थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि चालक दुर्घटना के बाद घटनास्थल से फरार हो गया और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

नोएडा में टेंपो पलटा, 17 श्रद्धालु घायल

नोएडा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी से श्रद्धालुओं को लेकर दिल्ली लौट रहा एक टेंपो ट्रैवलर मंगलवार शाम नोएडा के सेक्टर-63 में पलट गया, जिससे चालक समेत 17 लोग घायल हो गए। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि नजदीकी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को छुट्टी दे दी गयी। थाना सेक्टर-63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं को लेकर मंगलवार शाम एक टेंपो ट्रैवलर दिल्ली लौट रहा था। उन्होंने बताया कि जैसे ही ट्रैवलर हिंडन नदी को पार कर एसजेएम कट के पास पहुंचा कि चालक को झपकी आ गयी और वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गया।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में श्री गणेश पूजन के साथ महाशिवरात्रि की तैयारियां शुरू

- नागा साधुओं को पहले मिलेगा बाबा का दर्शन, फिर कर सकेंगे आम श्रद्धालु
- बुधवार को भी 6 लाख से अधिक भक्तों ने किया दर्शन-पूजन
- न्यास की ओर से मंदिर के सीईओ ने विधि- विधान से की धाम में प्रथम पूज्य श्रीगणेश जी की पूजा

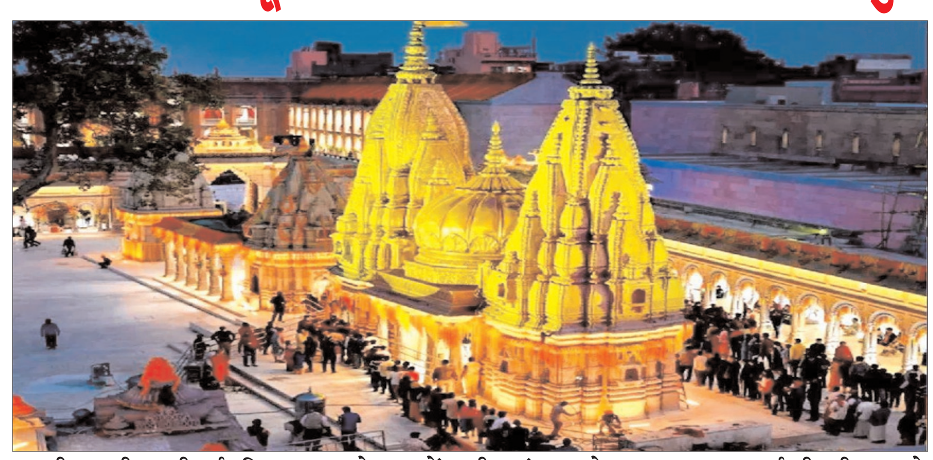

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि पर दर्शन- पूजन और व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। महाशिवरात्रि पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा के दरबार में शीश नवाएंगे। पिछली बार दर्शनार्थियों की संख्या दस लाख पार कर गयी थी। इस बार उससे अधिक दर्शनार्थियों के पहुंचने की संभावना है। तैयारियों के क्रम में प्रथम पूज्य श्री गणेश जी महाराज का विधि-विधान से पूजन किया गया। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए मंदिर के सीईओ श्री विश्व भूषण ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गणेश जी की पूजा की। श्री गणेश जी महाराज का जलाभिषेक करने के बाद उनका सिंदूर से श्रृंगार किया गया। इसके बाद श्री गणेश जी को वस्त्र, पुष्प, दुर्वा, माला, नैवैद्य, भोग अर्पित किया गया। भावपूर्ण तरीके से गणेश जी की स्तुति कर उनकी आरती उतारी गई। शिखर आरती के पश्चात भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया।

सीईओ विश्वभूषण मिश्रा ने कहा कि महाशिवरात्रि पर महाकुंभ का पूरा प्रभाव होगा। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी को बड़ी संख्या में अखाड़ों के नागा श्रद्धालु दर्शन करने आएंगे, इसलिए आम भक्तों को कुछ देर के लिए रोका जा सकता है। जब तक नागा साधु दर्शन पूजन न कर लें तब तक लाइन रुकी रहेगी। सीईओ ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि दिव्यांगों और बुजुर्गों से अनुरोध है कि वो लंबे समय तक कतार में खड़े नहीं हो सकते, तो ऐसे में वे घर से ही बाबा विश्वनाथ का लाइव दर्शन करें। फरवरी के 18 दिनों में 1.03 करोड़ से ज्यादा भक्तों ने बाबा विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन किया। इस दौरान सावन के एक महीने से दोगुना भक्तों ने दर्शन किया है। किसी भी महीने में आने वाले भक्तों की संख्या के मुकाबले ज्यादा है। फरवरी महीने में सावन के एक महीने का भी रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले साल सावन के एक महीने में 58 लाख श्रद्धालु आए थे, यहां फरवरी के 18 दिन में ही भक्तों की संख्या करोड़ के पार चली गई है। मंदिर के सीईओ श्री विश्व भूषण ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ धाम में महाशिवरात्रि की तैयारी शुरू करने से पूर्व प्रथम पूज्य गौरी नंदन श्री गणेश जी का पूजन किया गया। श्री गणेश जी के पूजन के बाद श्री काशी विश्वनाथ धाम में महाशिवरात्रि की तैयारी शुरू कर दी गई है।

महाशिवरात्रि के पूर्व पिछले वर्ष शुरू किया गया नवाचार इस वर्ष भी पूरी श्रद्धा से रहेगा जारी, मंदिर के सीईओ कल प्रधान विग्रह का करेंगे रुद्राभिषेक। पिछले वर्ष महाशिवरात्रि के पूर्व धाम में स्थित 15 प्रधान विग्रहों के रुद्राभिषेक की शुरू किया गया नवाचार इस वर्ष भी पूरी श्रद्धा से गुरुवार से शुरू होगा। मंदिर के सीईओ श्री विश्व भूषण ने बताया कि महाशिवरात्रि के पूर्व श्री काशी विश्वनाथ धाम में स्थित 15 प्रधान विग्रहों के पूजा-पाठ, अनुष्ठान का क्रम गुरुवार से शुरू होगा। इस दौरान सभी 15 प्रधान विग्रहों का क्रमवार शास्त्रोक्त विधि से रुद्राभिषेक मंदिर न्यास के अधिकारीगण करेंगे। उन्होंने बताया कि बुधवार को श्री गणेश पूजा के साथ ही महाशिवरात्रि की तैयारी प्रारंभ कर दी गई हैं। अब इसी कड़ी में धाम में स्थित प्रधान विग्रहों का रुद्राभिषेक भी प्रारंभ हो रहा है। गुरुवार को मंदिर के सीईओ न्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए धाम में स्थित प्रधान विग्रह का रुद्राभिषेक करेंगे। उन्होंने बताया कि विघ्नहर्ता गणेश जी की पूजा कर कामना की गई कि महाशिवरात्रि का पर्व भी बिना किसी अड़चन के पूरी आस्था से संपन्न हो।

जमीन घोटाले में कर्नाटक सीएम सिद्धामरैया को बड़ी राहत, लोकायुक्त से मिली क्लीनचिट

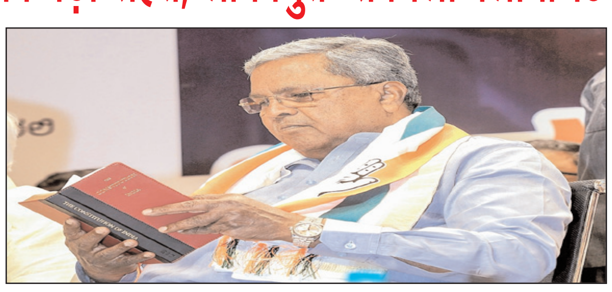

बेंगलुरु, 19 फरवरी। लोकायुक्त पुलिस ने कहा कि एमयूडीए मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। लोकायुता पुलिस द्वारा यह स्वीकारोक्ति एजेंसी द्वारा जांच के लिए बेंगलुरु स्थित अपने मुख्यालय को अंतिम रिपोर्ट सौंपने के लगभग एक सप्ताह बाद आई है। यह रिपोर्ट सीएम सिद्धारमैया और उनके परिवार से जुड़े मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन मामले की 138 दिनों की व्यापक जांच के बाद प्रस्तुत की गई थी।

बेंगलुरु में निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत के निर्देश के बाद सितंबर 2024 में शुरू की गई लोकायुक्त जांच का नेतृत्व मैसूर लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक टीजे उदेश ने किया था। अधिकारियों ने नौकरशाहों, राजनेताओं, सेवानिवृत्त अधिकारियों, मुदा अधिकारियों और सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएम पार्वती और बहनोई बीएम मल्लिकार्जुन स्वामी जैसे प्रमुख लोगों सहित 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की थी। उनके बयानों को वीडियो रिकॉर्ड किया गया और अंतिम रिपोर्ट में दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि कुल मिलाकर, विवादित संपत्ति, साइट आवंटन और अधिसूचना प्रक्रियाओं से संबंधित 3,000 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेजों का अध्ययन किया गया। विशेष अदालत ने पिछले साल 27 सितंबर को सिद्धारमैया और तीन अन्य के खिलाफ एफआईआर का निर्देश दिया था, जो कि राज्यपाल थावर चंद गहलोत द्वारा सिद्धारमैया की जांच की अनुमति देने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका पर आधारित थी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखा। जांच में आईपीसी, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम और कर्नाटक भूमि कब्जा निषेध अधिनियम के तहत कथित उल्लंघन शामिल हैं।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center
जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल
The Culture of Care
पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना संबद्ध अस्पताल
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल
प्रदेश के लगभग 6 करोड़ लोगों के लिए 5 लाख रुपये तक के इलाज पूरी तरह से निःशुल्क
24/7 Emergency Services
24 घंटे भर्ती की सुविधा
आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी
डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653
नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर 9138828282, 8686867547

शिक्षा में स्मार्टफोन के प्रचलन से एकाग्रता एवं हेल्थ खतरे में

-: ललित गर्ग:-

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके

-ललित गर्ग

निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है। ह्यसंयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठनह्न (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस

ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने से पढ़ाई में बाधा आती है, नैसर्गिक शैक्षणिक गुणवत्ता आहत होती है।

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन छात्रों के पास गैजेट्स हैं, उनमें से 56.6 प्रतिशत ने डिवाइस का इस्तेमाल मूवी डाउनलोड करने और देखने के लिए किया, जबकि 47.3 प्रतिशत ने उनका इस्तेमाल संगीत डाउनलोड करने और सुनने के लिए किया। सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण भारत में 49.3 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है, लेकिन उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही पढ़ाई के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

वैश्विक स्तर पर, आज दुनिया भर में 6.378 बिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता हैं-जो कि कुल आबादी का लगभग 80.69 प्रतिशत है। इसमें दो मत नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। आललाइन कक्षाओं के बढ़ते प्रचलन में लगने लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही साबित हुआ है। निश्चित तौर पर ये उनके भटकाव, गुमराह, दिग्भ्रमित और मानसिक विचलन का कारण भी बना है। इसी कारण कई देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन पर बैन लगा दिया है, क्योंकि इन देशों का मानना है कि यह बच्चों की शिक्षा और उनकी गोपनीयता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। अनेक देशों में हुए सर्वेक्षणों ने स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इनकी रिपोर्ट एवं चौंकाने वाले तथ्य भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाले हैं। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ आधुनिकीकरण एवं विकास की अपेक्षा को दर्शा कर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके अनियंत्रित एवं अवांछित प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में अनियंत्रित इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित, अश्लील, अनुपयोगी सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए बुरा है तथा इसके लगातार उपयोग से चिंता का स्तर बढ़ता है, आत्म-सम्मान कम होता है तथा अकेलेपन की भावना बढ़ती है। इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है।

बदलते शैक्षणिक परिदृश्यों में जब शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग टाला नहीं जा सकता, लेकिन उसका नियंत्रित उपयोग तो किया ही जा सकता है। निस्संदेह उसका उपयोग सीमित एवं संयमपूर्वक किया जाना नितांत अपेक्षित होना चाहिए। संकट यह भी कि मोबाइल पर खेले जाने वाले ऑन लाइन गेम जहां बच्चों को मैदानी खेलों से दूर कर रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। हमें किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। पूरी दुनिया में बढ़ता मोबाइल फोन का प्रचलन एक संकट है एवं एक चुनौती है। क्या हम वाकई सोचते हैं कि छात्रों को स्कूल में ज्यादा स्क्रीन टाइम की जरूरत है? कुछ सर्वेक्षण के परिणामों ने विश्वविद्यालय के संसाधनों और शैक्षणिक जानकारी तक मोबाइल पहुँच के लिए छात्रों की बढ़ती माँग को प्रदर्शित किया, साथ ही अपने साथियों और प्रशिक्षकों के साथ तेज, व्यक्तिगत, इंटरैक्टिव डिजिटल संचार की बढ़ती जरूरतों को भी दर्शाया। भारत में स्मार्टफोन के उपयोग को बैन करने का निर्णय जल्दबाजी में न हो, पहले अनुसंधान हो, परामर्श किया जाना चाहिए तथा उनके अनुप्रयोग पर गहन विचार किया जाना चाहिए। निश्चित तौर पर स्मार्टफोन छात्र-छात्राओं का सहायक तो बन सकता है, लेकिन सबकुछ इसके भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इससे छात्रों की स्वतः स्फूर्त मेधा कुंद होने का खतरा है। छात्र जीवन को तकनीक का वन नहीं, बल्कि पुरुषार्थ और प्रतिभा का उपवन बनाये। वृक्ष भी जीते हैं, पशु-पक्षी भी जीते हैं, परन्तु वास्तविक जीवन वे ही जीते हैं, जिनका मन मनन का उपजीवी हो। मननशीलता की संपदा मानव को सहज उपलब्ध है, जिसका अधिकाधिक उपयोग और विकास कर जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करें।

महाकुंभ में जाने वाले भक्तों के बीच भगदड़ में मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है?

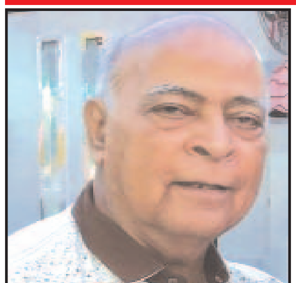

अशोक भाटिया

15 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले तीर्थयात्रियों पर मची भगदड़ में 18 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए,विपक्षी दलों ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ह्यकुप्रबंधनह्न के कारण मची भगदड़ के लिए रविवार को सरकार को दोषी ठहराया और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की।भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गयी थी। कांग्रेस, वाम दल, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सहित कई विपक्षी दलों ने सरकार पर व्यापक व्यवस्था करने में विफल रहने और मौतों की वास्तविक संख्या को ह्यछिपानेह्न का आरोप लगाया। विपक्ष ने मुसीबत के पानी में मछली पकड़ना शुरू कर दिया है, लेकिन सरकारों को राजनीति से ऊपर उठना चाहिए, भले ही यह अस्थायी रूप से उनकी (संभावित) विफलताओं की ओर ध्यान आकर्षित करे।

हालांकि, भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कर सरकार का बचाव करने की कोशिश की, जिसमें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थिति सामान्य होते हुए दिख रही थी। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात को कुछ यात्री फुट ओवरब्रिज से उतरते समय फिसलकर दूसरों पर गिर गए, जिसके बाद भगदड़ मच गई। रेलवे स्टेशन पर हुई इस घटना में एक दर्जन से अधिक लोग घायल भी हुए हैं।

ज्ञात हो कि महाकुंभ तक पहुंचने के लिए लाखों श्रद्धालु ट्रेनों, बसों और वाहनों में हर दिन देश के सभी कोनों से यात्रा कर रहे हैं ।पिछले 38 दिनों में, 60 करोड़ भक्तों ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई है। महाकुंभ 26 फरवरी को समाप्त होगा। वहीं प्रयागराज में 29 जनवरी को महाकुंभ के लिए एकत्र हुए श्रद्धालुओं के बीच मची भगदड़ में 40 लोगों की मौत हो गई थी। 10 फरवरी को प्रयागराज स्टेशन पर भगदड़ और हाथापाई हुई थी और महाकुंभ क्षेत्र में आग लगने से संपत्ति को भी काफी नुकसान हुआ था।

लोगों का मानना है कि देश की राजधानी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, देश के सभी शहरों को जोड़ने वाली ट्रेन है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर चौबीसों घंटे भीड़ रहती है। इसमें सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क है। सुरक्षा अधिक है। जनशक्ति अन्य रेलवे स्टेशनों की तुलना में बेहतर है। तो महाकुंभ में जाने वाले भक्तों के बीच भगदड़ में 18 मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या हम यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित नहीं कर सकते थे? क्या सुरक्षा व्यवस्था अपर्याप्त थी? क्या वहां अराजकता इसलिए थी क्योंकि रेलवे प्लेटफार्म अचानक बदल गया था? क्या घोषणाएं गलत थीं? क्या अफवाहों ने भीड़ द्वारा निर्दोष भक्तों का दम घोंट दिया? क्या रेलवे स्टेशन पर अचानक सीढ़ियों के बंद होने से भगदड़ मच गई? इन सभी सवालों के जवाब उच्च स्तरीय जांच के बाद पता चलेंगे।

लेकिन प्रयागराज या दिल्ली स्टेशनों पर भारी भीड़ की मौत वापस नहीं आएगी। भारतीय रेलवे के इतिहास में यह पहली दुर्घटना नहीं है। एक दर्जन से अधिक रेल यात्रियों की मौत हो चुकी है। इस साल 22 जनवरी को कुछ यात्रियों ने उत्तरी महाराष्ट्र के जलगांव में लखनऊ-मुंबई पुष्पक एक्सप्रेस की चेन खींचकर ट्रेन को रोक दिया। पंजाब में ट्रेन दुर्घटनाओं की एक श्रृंखला, सूरत में सौराष्ट्र एक्सप्रेस पटरी से उतर गई, जून 2024 में बिहार के कटिहार में कंचनगंगा एक्सप्रेस पर एक मालगाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने से 10 लोगों की मौत हो गई, और 2023 में ओडिशा ट्रेन दुर्घटना में 296 लोगों की जान चली गई। हर घटना के बाद विपक्षी दलों ने रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग की, लेकिन पिछले 10 सालों में न तो किसी रेल मंत्री ने इस्तीफा दिया और न ही विपक्षी पार्टी लगातार उनके इस्तीफे की मांग उठाती रही।

भारतीय रेलवे के इतिहास में, केवल तीन रेल मंत्रियों ने ट्रेन दुर्घटना के बाद मंत्रियों के रूप में इस्तीफा दिया है। लाल बहादुर शास्त्री, ममता बनर्जी और नीतीश कुमार ने ट्रेन दुर्घटना की जिम्मेदारी लेने के बाद रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। लाल बहादुर शास्त्री ने तमिलनाडु (तब मद्रास) में अरियालुर ट्रेन दुर्घटना के बाद 1956 में दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेने के बाद रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। ये था। अरियालुर और कल्लगम रेलवे स्टेशनों के बीच पुल से पानी बह रहा था। पानी की रफ्तार से पुल का 20 फीट हिस्सा बह गया और उसके बाद भी बाढ़ का पानी बढ़ता रहा। वहीं तूतीकोरिन एक्सप्रेस 23 नवंबर 1956 को अल्लियालुर स्टेशन से सुबह 5।30 बजे रवाना हुई थी और तीन किलोमीटर की दूरी पर पटरी से उतर गई थी। ट्रेन का इंजन और सात बोगियां नदी में गिर गईं। आठवां डिब्बा पटरी से उतर गया जबकि आखिरी चार डिब्बे सुरक्षित हैं। दुर्घटना में 142 यात्रियों की मौत हो गई और 110 घायल हो गए। उस समय लाल बहादुर शास्त्री रेल मंत्री थे। हादसे से पहले कुछ और गंभीर रेल हादसे भी हुए थे।

2 सितंबर, 1956 की रात को, सिकंदराबाद से आ रही एक ट्रेन महबूबनगर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 121 यात्री मारे गए। लेकिन अरियालुर त्रासदी के बाद, शास्त्री ने तत्कालीन प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को अपना इस्तीफा सौंप दिया। पंडित नेहरू ने लोकसभा में घोषणा की थी कि वह शास्त्री का इस्तीफा स्वीकार कर रहे हैं। पंडित नेहरू ने कहा, 'मैं नहीं मानता कि ट्रेन हादसे के लिए शास्त्री जी खुद जिम्मेदार हैं। लेकिन हम संवैधानिक औचित्य की दृष्टि से उनका इस्तीफा स्वीकार कर राष्ट्रपति के पास भेज रहे हैं ताकि कोई यह न मान सके कि चाहे कुछ भी हो जाए।

2 अगस्त, 1999 की रात को ब्रह्मपुत्र मेल दिल्ली जा रही थी और सामने से अवध असम एक्सप्रेस आई। बोडो उग्रवादियों के विरोध के द्वीप पर भीषण दुर्घटना हुई। गैसल स्टेशन पर केबिन में बिजली नहीं होने के कारण अंधेरे में बैठा केबिनमैन कुछ भी जान सकता था। 300 से अधिक यात्री मारे गए और 600 से अधिक घायल हो गए। अगले दिन जब तत्कालीन रेल मंत्री नीतीश कुमार दोपहर 3 बजे मौके पर पहुंचे तो गुस्साई भीड़ मौके पर पहुंच गई। क्रेन भी देरी से पहुंची। इससे व्यथित नीतीश कुमार एक घंटे के भीतर ही दिल्ली लौट आए और दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए रेल मंत्री के रूप में अपना इस्तीफा तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सौंप दिया। वाजपेयी ने नीतीश कुमार को इस्तीफा न देने के लिए मनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन अंततः उनका इस्तीफा स्वीकार करना पड़ा। बाद में, पत्रकारों से बात करते हुए, नीतीश कुमार ने कहा कि ट्रेन दुर्घटना रेलवे की विफलता थी और उन्होंने इस घटना की जिम्मेदारी स्वीकार की। उन्होंने यह भी कहा था कि दुर्घटना सिर्फ एक गलती नहीं बल्कि एक आपराधिक लापरवाही थी, यही वजह है कि उन्होंने रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। 2000 में, जब केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्ता में थी, ममता बनर्जी ने ट्रेन दुर्घटनाओं की दो घटनाओं के बाद रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन प्रधान मंत्री वाजपेयी ने उन्हें मना लिया और उनके इस्तीफे को अस्वीकार कर दिया। मार्च 2001 में, वाजपेयी ने फिर से नीतीश कुमार को रेल मंत्री का प्रभार सौंप दिया। उन्होंने रेलवे सुरक्षा और कुशल सिग्नल सिस्टम पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने रेल दुर्घटनाओं को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया था।

भारत में, हजारों ट्रेनें चौबीसों घंटे चलती हैं और लाखों लोग हर दिन उनसे यात्रा करते हैं। रेलवे सुरक्षा सबसे संवेदनशील और सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। केंद्र सरकार द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 75 प्रतिशत रेल दुर्घटनाएं रेलवे कर्मचारियों की लापरवाही या लापरवाही के कारण होती हैं। 10 प्रतिशत रेल दुर्घटनाएं मशीनरी या उपकरणों की खराबी के कारण होती हैं। रोलिंग स्टॉक, पटरियों, सिग्नलों आदि की तकनीकी खराबी के कारण रेलगाड़ियां पटरी से उतर जाती हैं। शॉर्ट सर्किट, पेंट्री कारों में कर्मचारी, ठेकेदार, यात्रियों के पास मौजूद ज्वलनशील पदार्थ आदि। रेलवे कर्मचारियों की संख्या आवश्यकता से कम है। अपर्याप्त जनशक्ति भी दुर्घटनाओं के कारणों में से एक है। करीब 20 हजार पद खाली थे। लोको स्टाफ, ट्रेन मैनेजर और स्टेशन मास्टर जैसे महत्वपूर्ण पद कई जगहों पर खाली पड़े हैं। भारतीय रेलवे की रिपोर्ट के अनुसार, 2004 और 2014 के बीच प्रति वर्ष ट्रेन दुर्घटनाओं की औसत संख्या 171 थी। 2014 और 2023 के बीच यह संख्या घटकर 71 प्रति वर्ष हो गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में उपनगरीय ट्रेन हादसों में हर दिन 6-7 यात्रियों की मौत होती है, लेकिन इसकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। 2023 में स्थानीय दुर्घटनाओं में 2590 और 2024 में 2468 लोगों की मौत हुई। पिछले साल पटरी पार करते समय 1151 लोगों की मौत हुई थी। पिछले 20 वर्षों में, उपनगरीय ट्रेन दुर्घटनाओं में 50,000 मौतें हुई होंगी। मुंबई में हर दिन 3,200 से अधिक लोकल दौड़ती हैं। मुंबई की उपनगरीय रेल यात्रा में मरने वालों की हालत यह है कि रोज मरे उन पर हर दिन कौन रोए ?

अखिलेश पर भारी पड़ आ रहा है महाकुंभ का विरोध

-अजय कुमार

समाजवादी पार्टी आजकल दुविधा की सियासत से जूझ रही है। उसके एक तरफ कुआ तो दूसरी तरफ खाई जैसी स्थिति है। इसी कारण समाजवादी पार्टी तुष्टिकरण की सियासत तो खुलकर कर रही है,लेकिन हिन्दूवादी राजनीति को लेकर कोई फैसला नहीं ले पा रही हैं। सपा की हालात यह हो गई है कि मोदी-योगी सरकार के हर फैसले में अखिलेश को साम्प्रदायिकता और खामियों के अलावा कुछ नजर नहीं आता है। धर्म की बात की जाये तो अखिलेश महाकुंभ में खामियां तलाश रहे हैं। हाल यह है कि महाकुंभ के सफल आयोजन को लेकर जहां बच्चा-बच्चा योगी की तारीफ कर रहा है। वहीं अखिलेश और उनकी टीम मौनी अमवस्या के शाही स्नान के समय मची भगदड़ में हुई तीस लोगों की मौत पर राजनीति करने से उबर नहीं पा रही है,जिस समाजवादी पार्टी की मुलायम सरकार ने 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर उन्हें मौत के घाट पर सुला दिया गया था,इसमें कितने लोग मरे थे यह आज भी रहस्य बना हुआ है। खास बात यह है कि योगी सरकार कह रही है कि भगदड़ में तीस लोग मरे हैं,वहीं समाजवादी पार्टी नेता इसे झूठ बता रहे है। सपा नेता तर्क दे रहे हैं हजारों जूते-चप्पलें और बैग घटना स्थल पर पड़े मिले थे,जिससे साबित होता है कि हजारों लोग मरे होंगे,लेकिन सवाल यह है कि यदि समाजवादी पार्टी के प्रमुख सहित अन्य तमाम नेताओं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी आदि की यह बात मान भी ली जाये कि भगदड़ में हजारों लोग मरें हैं तो वह पीड़ित लोग सामने क्यों नहीं आ रहे हैं जिनके परिवार के लोग भगदड़ में मारे गये हैं। यही बात बताती है कि विपक्ष भगदड़ के नाम पर महाकुंभ और योगी सरकार को बदनाम करने की साजिश में लगे हैं। इसीलिये अखिलेश का साथ दलित और पिछड़े लोग भी छोड़ने लगे हैं।आज अखिलेश सिर्फ मुस्लिमों के नेता बनकर रह गये हैं,उसमें भी उदारवादी और पढ़े लिखे मुसलमान बीजेपी के साथ जुड़ते जा रहे हैं।

वैसे यह भी नहीं भूलना चाहिए के अखिलेश यादव शुरू दिन से महाकुंभ का विरोध कर रहे हैं। यह बात विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कही कि पहले दिन से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अफवाह फैलाने में लगे हैं। अखिलेश सबसे पहले कहते हैं कि महाकुंभ को इतना पैसा और विस्तार देने की जरूरत क्या थी। फिर कहते हैं कि 65-70 के लोग महाकुंभ में स्नान नहीं कर पा रहे हैं। फिर कहते हैं महाकुंभ जैसा कोई शब्द ही नहीं है। महा सरकारी पैसा निकालने के लिये महाकुंभ शब्द रचा गया। अखिलेश तंज कसते हैं कि 50 नहीं 60 लोग आ चुके हैं। इसी तरह से लालू यादव महाकुंभ को फालतू बताते हैं तो पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताते हैं,लेकिन कोई इसका विरोध नहीं करता है ।इसी तरह से सोशल मीडिया पर इधर-उधर की फोटो और वीडियो को महाकुंभ की घटना बता कर प्रचारित किया जा रहा है।

गौरतलब हो, आज महाकुंभ पर हो हल्ला मचाने वाले समाजवादी इससे पूर्व अयोध्या में रामलला के मंदिर निर्माण के समय भी ऐसा करते नजर आये थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव तो मंदिर निर्माण के उदघाटन अवसर पर भी मौजूद नहीं रहे थे। कारण बहुत साफ था वहीं चुनाव के समय उन्हें ईवीएम और चुनाव आयोग में खामियां नजर आती हैं। योगी जब अवधी,भोजपुरी,बुंदेलखंडी भाषा को आगे बढ़ाने की बात करते हैं तो समाजवादी उर्दू को आगे बढ़ाने का राग अलापने लगते हैं।

समाजवादी पार्टी के नेताओं को समझना होगा कि यूपी में जिस भारतीय जनता पार्टी को सपा के पूर्व प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने अपने सियासी अखाड़े में कभी उभरने नहीं दिया,उसी भारतीय जनता पार्टी को अखिलेश यादव की गैर जिम्मेदाराना और अपरिपक्त राजनीति ने अपनी सियासत चमकाने का पूरा मौका दे दिया। समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह के नेतृत्व में 2012 में अंतिम बार चुनाव जीती थी और अखिलेश सीएम बने थे,उसके बाद से आज तक अखिलेश अपने बल पर कोई बड़ा करिश्मा नहीं कर पाये हैं। 2024 के आम चुनाव में जरूर समाजवादी पार्टी को बढ़त मिली थी,लेकिन अखिलेश कांग्रेस की बैसाखी के सहारे यह सफलता हासिल कर पाये थे। आज स्थिति यह है कि कांग्रेस का साथ लेकर सपा उन सीटों पर भी जीत नहीं हासिल कर पा रही है जिसे कभी समाजवादी पार्टी की परम्पराग सीट माना जाता था। पहले विधान सभा चुनाव के समय मुरादाबाद की कुंदरकी और हाल ही में अयोध्या में मिल्कीपुर सीट पर सपा को मिली हार से यह साबित हो गया है कि अखिलेश यादव अपना जनाधार नहीं बचा पा रहे हैं। यह और बात है कि अखिलेश दिल्ली में आम आदमी पार्टी को जिताने का दंभ जरूर भरते हैं। यही अखिलेश और समाजवादी पार्टी की नियति बन गई है ।कुल मिलाकर अखिलेश यादव अपने ही बुने जाल में फंसते जा रहे हैं।

बच्चों के कोमल मन-मस्तिष्क पर प्रभाव डालती तकनीक

-सुनील कुमार महला

बच्चों का मन बहुत ही कोमल होता है। इतना कोमल कि बच्चे के मन को हम अच्छी शिक्षा देकर किसी भी आकार में ढ़ाल सकते हैं। महान मनोविज्ञानी वाटसन ने कहा है कि 'मुझे एक नवजात शिशु दे दो। मैं उसे डॉक्टर, वकील, चोर या जो चाहूँ बना सकता हूँ।' हम सभी ने कभी न कभी अपने जीवन में किसी कुम्हार को चाक पर काम करते देखा है। वह मिट्टी के एक बेकार से दिखने वाले टुकड़े को एक खूबसूरत मिट्टी के बर्तन में बदल देता है। वह अपनी कला से मिट्टी को मनचाहा आकार दे देता है। बच्चों के साथ भी कुछ ऐसा ही है। यदि हम उनको अच्छी शिक्षा,अच्छे संस्कार, नैतिकता की शिक्षा दें तो उसे हम देश व समाज का एक अच्छा नागरिक, सुसंस्कृत व्यक्ति बना सकते हैं। आज हमारी युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति व सूचना क्रांति के प्रभाव में आकर एंड्रॉयड स्मार्टफोन का धड़ल्ले से प्रयोग कर रही है। सूचना क्रांति का प्रयोग करना गलत नहीं है लेकिन आज तकनीक हमारी युवा पीढ़ी पर हावी होती चली जा रही है। स्मार्टफोन के अधिक व अंधाधुंध प्रयोग से बच्चों के कोमन मन-मस्तिष्क पर आज गहरा प्रभाव पड़ रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि तकनीक का यह प्रभाव हमारे देश की युवा पीढ़ी की मानसिक एकाग्रता व सेहत के लिये बहुत ही घातक सिद्ध हो रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि आज तकनीक का विशेषकर टीनएज बच्चों के मस्तिष्क पर गहरा असर देखा जा सकता है। सच तो यह है कि बच्चों द्वारा अधिक मोबाइल स्क्रीन का प्रयोग उनके मानसिक स्वास्थ्य, बौद्धिक विकास, शारीरिक समन्वय और यहां तक ??कि नींद और खाने की आदतों, उनके अध्ययन को प्रभावित कर रहा है। अत्यधिक ऑनलाइन एक्टिविटी के अनेक मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिणाम हैं, जिनको लेकर आज हमारे समाज को चेतने की जरूरत है। वास्तविक दुनिया से दूर आज हमारे बच्चे वर्चुअल दुनिया या यूं कहें कि आभासी दुनिया में जी रहे हैं। आज जरूरत इस बात की है कि वर्चुअल दुनिया की तुलना में वास्तविक दुनिया को प्राथमिकता दी जाए ताकि हमारे बच्चों का मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, सांस्कृतिक या यूं कहें कि सर्वांगीण विकास हो सके।आज हमारी युवा पीढ़ी पर कृत्रिमता बुरी तरह से हावी प्रतीत होती है। हमारी युवा पीढ़ी जीवन की वास्तविकताओं से परे एआई चैटबॉट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स व्हाट्स एप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब, ट्विटर की दुनिया में अधिक जी रहे हैं ।सच तो यह है कि आज हमारी युवा पीढ़ी का बहुत अधिक समय एंड्रॉयड, लैपटॉप, कंप्यूटर, मोबाइल पर व्यतीत हो रहा है ।आज हमारे बच्चों को अकेले रहने की आदत पड़ चुकी है। इंटरनेट आज की जरूरत है लेकिन इसकी अंधी दौड़ ने हमारे बच्चों की दिनचर्या को काफी हद तक प्रभावित किया है और स्वास्थ्य को भी। सच तो यह है कि तकनीक के जरिये विकास की अंधी दौड़ में हमारी युवा पीढ़ी बहुत कुछ खो भी रही है। हमारी युवा पीढ़ी मशीनी हो गई है। कोरोना काल क्या आया ? इसने हमें एक तरह से पंगु बना दिया। गौरतलब है कि कोरोना काल से आभासी पढ़ाई, मीटिंग, वर्क फ्रॉम होम आदि का दौर शुरू हो गया। देश में जगह जगह आभासी स्कूल और कालेज खुलने लगे ।आज विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी के सोशल मीडिया पर हजारों मित्र होते हैं, लेकिन जब वास्तविक जीवन में हमें और हमारी युवा पीढ़ी को मित्रों की आवश्यकता होती है, तो आज कोई भी हमारे साथ खड़ा नहीं होता है। सच तो यह है कि आज आभासी दुनिया(वर्चुअल दुनिया) की बढ़ती दखलंदाजी की वजह से हमारे अनेक सामाजिक संबंध लगातार पीछे छूटते चले जा रहे हैं। हम और हमारी युवा पीढ़ी आज आभासी दुनिया में ही रिश्ते-नाते स्थापित करने लगी है ।यह ठीक है तकनीक ने मनुष्य को अनेक प्रकार की सहूलियतें प्रदान की हैं,तकनीक हम इंसानों की मदद और सहायता के लिए है, लेकिन आज इंसान तकनीक का लगातार गुलाम होता जा रहा है, इसे किसी भी हालत और परिस्थितियों में ठीक नहीं ठहराया जा सकता है। वास्तव में सामाजिक संबंधों को बनाए रखने के लिए हमें और हमारी युवा पीढ़ी को यह चाहिए कि हम इस आभासी दुनिया से बाहर निकलने का प्रयास करें। मनुष्य में संवेदनाएं होतीं हैं, एक मशीन में कभी भी संवेदनाएं नहीं हो सकतीं हैं। एक मशीन कभी भी मानव का स्थान नहीं ले सकती है,यह हमें समझना चाहिए। याद रखिए कि दुनिया का कोई भी इंसान कभी भी किसी मशीन से संचालित नहीं हो सकता है। कृत्रिम चीजें कृत्रिम ही रहेंगी। कहना गलत नहीं होगा कि मानवीय संवेदनाएं और अहसास कभी कृत्रिम नहीं हो सकते। आज शिक्षा में,हर क्षेत्र में तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है,यह ठीक है लेकिन तकनीक, तकनीक होती है। तकनीक सिर्फ. मानव की सहयोगी मात्र हो सकती है, मानव का स्थान कभी भी नहीं ले सकती है ।आज युवा पीढ़ी के लिए मोबाइल फोन एक स्टेटस सिंबल हो गया है। महंगे से महंगा मोबाइल फोन आज युवाओं के पास देखने को मिल जाएगा। लेकिन एक ओर जहां एंड्रॉयड मोबाइल शिक्षा में सहयोगी बनकर उभरा है वहीं दूसरी ओर पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों, हमारी युवा पीढ़ी के लिये अनेक प्रकार की मानसिक व शारीरिक समस्याएं खड़ी कर रहा है ।आज ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन, इंटरनेट का इस्तेमाल अनिवार्य हो गया है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। कहना गलत नहीं होगा कि अत्यधिक डिजिटल उपस्थित का हमारे ब्रेन पर काफी बुरे प्रभाव पड़ते हैं। इससे हमारे ध्यान केंद्रित करने और निर्णय लेने की क्षमताएं कम हो सकतीं हैं। स्क्रीन का नीला प्रकाश 'मेलाटोनिन प्रोडक्शन' में बाधा पैदा करता है और हमें ठीक से नींद नहीं आती है। आज स्क्रीन-टाइम की अधिकता हमारी क्षेत्रीय सांस्कृतिक गतिविधियों को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है, वहीं दूसरी ओर आज हम स्क्रीन टाइम पर लगातार व्यस्त रहकर हमारे समाज में होने वाली विभिन्न घटनाओं, परंपराओं, संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन, आपसी संवाद से नहीं जुड़ पाते हैं। अपने चारों ओर की दुनिया में क्या हो रहा होता है, हमें स्क्रीन टाइम के कारण इसका ठीक से भान तक नहीं होता है। जीवन की असली खुशियां स्क्रीन टाइम में नहीं, अपितु स्क्रीन से हटने में हैं। जीवन हमेशा स्क्रीन से परे है, यह वास्तविक है, आभासी नहीं। आज हम इमोजी, लाइक्स, शेयर, कमेंट्स की दुनिया तक सीमित हो चलें हैं। हमें सिर्फ और सिर्फ कैमरे, एंड्रॉयड मोबाइल फोन, लैपटॉप, कंप्यूटर, इंटरनेट से मतलब है, किसी और से नहीं, लेकिन याद रखिए कि जीवन कभी भी लाइक्स, कमेंट्स,शेयर या फालोवर्स की संख्या से नहीं चला करता है। जीवन को दोस्तों, परिवार, रिश्तेदारों का संग-साथ चाहिए होता है, जो कि वास्तविक होता है। वर्चुअल वर्ल्ड वास्तव में देखा जाए तो एक लत है, एक मायाजाल है। हमेशा गैजेट्स से घिरे लोग बेचैन रहते हैं, तनाव और अवसाद उनकी जिंदगी का हिस्सा हो चला है। कुछ समय पहले ही आस्ट्रेलिया ने स्कूलों में मोबाइल उपयोग पर रोक लगाई और अब दुनिया के तमाम विकसित देश मोबाइल के दुष्प्रभावों को देखते हुए स्कूलों में मोबाइल के उपयोग पर रोक लगा रहे हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अब तो यूनेस्को अर्थात संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की दुनिया में शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने वाली टीम ने भी स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। गौरतलब है कि यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स व्हाट्स एप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब, ट्विटर, इंटरनेट पर अनेक प्रकार की अश्लील, फूहड़, भद्दी, अराजकता भरी बेलगाम अनुचित सामग्री परोसी जा रही है,जो हमारे बच्चों के कोमल मन-मस्तिष्क को लगातार प्रभावित कर रही है और उनका ध्यान अच्छी बातों, अनुशासन, सामाजिक संस्कारों से हटता चला जा रहा है। निस्संदेह, शिक्षकों अभिभावकों, माता पिता की देखरेख में सीखने की प्रक्रिया(लर्निंग प्रोसेस) में इंटरनेट, लैपटॉप, स्मार्टफोन का सीमित उपयोग तो लाभदायक सिद्ध हो सकता है, लेकिन इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। आज बच्चे डिजिटल एमनीशिया(भूलने की बीमारी) का शिकार हो रहे हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर बिखरी अनर्गल, अश्लील, फूहड़ सामग्री हमारी युवा पीढ़ी को यौन कुंठित बना रही है। इतना ही नहीं एंड्रॉयड मोबाइल के लगातार प्रयोग से बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। ऐसे में आज जरूरत इस बात की है कि वर्चुअल वर्ल्ड का सीमित व नियंत्रित उपयोग पर बल दिया जाए। वास्तव में,हमें डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर प्रकृति के सानिध्य में अपने मन-मस्तिष्क को तरोताजा महसूस करना चाहिए। इसके लिए हम प्राकृतिक वातावरण में घूम सकते हैं। दोस्तों, परिवार के सदस्यों संग बातचीत कर सकते हैं, इससे हमारा मन-मस्तिष्क फ्रेश होगा और चीजें हमें याद रह पाएंगी।

सकल मराठा समाज व शिवप्रेमी बोईसर द्वारा आयोजित शिवजयंती महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर, खैरापाड़ा ग्राम पंचायत अंतर्गत यशवंत श्रृष्टि के पास स्थित बिरसा मुंडा मैदान में सकल मराठा समाज व शिवप्रेमी बोईसर की ओर से 9वें वर्ष बुधवार 19 फरवरी 2025 को शौर्य, शक्ति व सनातन संस्कृति के सबसे बड़े प्रतीक शिवजयंती महोत्सव का भव्य दिव्य आयोजन किया गया।

बोईसर में निकली गई छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य शोभायात्रा

बतादें कि श्री छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव सकल मराठा समाज व सर्व शिवप्रेमियों के द्वारा पिछले आठ वर्षों से लगातार पालघर जिले के बोईसर शहर, खैरापाड़ा ग्राम पंचायत अंतर्गत यशवंत श्रृष्टि के पास स्थित बिरसा मुंडा मैदान में बड़े धूमधाम से हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जा रहा है। विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी छत्रपति शिवाजी महाराज के जयंती के एक दिन पूर्व मंगलवार 18 फरवरी को विद्यार्थियों की वक्तृत्व प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 30 विद्यालयों के कुल 50 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। वहीं बुधवार 19 फरवरी को सुबह शिरगांव से भव्य शिव ज्योति शोभायात्रा निकालकर शिव ज्योति को बिरसा मुंडा मैदान में ले आया गया। बिरसा मुंडा मैदान में उपस्थित सभी महिलाओं ने शिव ज्योति व छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का स्वागत करते हुए पंचारती की। उसके बाद एक दिन पूर्व आयोजित की गई प्रतियोगिता के अंतिम 10 प्रतियोगियों की वक्तृत्व प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके पश्चात 10 विद्यालयों के कुल 144 विद्यार्थियों द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के पराक्रम व शौर्य पर आधारित अनेक नृत्यों की विशेष प्रस्तुति की गई। वहीं शाम को श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की भव्य दिव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान चार लेजिम पथकों में ज्ञानसागर विद्यालय लेजिम पथक, सकल मराठा महिला लेजिम पथक, शिवप्रेमी महिला लेजिम पथक, निर्मला पार्क लेजिम पथक के अलावा ढोल ताशा पथक, हलगी पथक ऐसे सभी पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ सभी शिव प्रेमियों की ओर से पूरे बोईसर शहर में हर्षोल्लास पूर्वक शोभायात्रा निकाली गई।

इस शोभायात्रा का समापन बिरसा मुंडा मैदान में किया गया। उसके पश्चात सुरताल भजन मंडली तारापुर द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित अत्यंत सुमधुर भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया और सभी के स्नेह भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बबनराव जाधव, नानासाहेब साठे, विजय बागल, बालासाहेब विचारे, विजय देशमुख, राजेंद्र थोरात , संजय मराठे, लक्ष्मण गटकल, बाजीराव कापरे, संतोष चव्हाण, चंद्रहार नलावडे,मधुकर गायकवाड, विश्वास जगताप, विलास अहिरेकर, दयानंद कांबले, नारायण कोटकर,प्रताप पाटील,अनिल पाचांगणे सोमनाथ भोजने, भाऊसाहेब पाटील, संतोष उ. चव्हाण, विकास करांडे, विवेक पाटील, गजानन मोहिते, संजय पितृभक्त सहित अन्य लोंगों ने कड़ी मेहनत की। इस कार्यक्रम में स्वरूपा विचारे, शोभा जाधव, सुवर्णा साठे, वृषाली बागल, वृषाली देशमुख, रेवती मराठे, माया शिंदे, माधवी थोरात, उषा गायकवाड, रुपाली चव्हाण सहित अन्य महिलाओं का विशेष योगदान रहा।

चेंबूर गायकवाड नगर में शिव जयंती उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर के गायकवाड़ नगर में महाराष्ट्र प्रतिष्ठान की ओर से शिव जयंती धूमधाम से मनाई गई। हर साल की तरह इस वर्ष भी मराठा वॉरियर्स ग्रुप द्वारा संचालित महाराष्ट्र प्रतिष्ठान की ओर से गायकवाड़ नगर में भव्य शिव जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर इलाके के जाने माने सामाजिक कार्यकर्ता और मुंबई कांग्रेस के सचिव सत्तार खान, तंबोली फाउंडेशन के अध्यक्ष जमीर तंबोली समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। शिव जयंती उत्सव को सफल बनाने के लिए महाराष्ट्र प्रतिष्ठान के अध्यक्ष स्वप्निल अशोक राऊत, कार्यकारी अध्यक्ष महादेव सालुंखे, उपाध्यक्ष आकाश कांबले, सचिव बाबा पेठे, कोषाध्यक्ष सम्राट पवार, सदस्य गणेश घाटविसावे आदि ने कड़ी मेहनत की। इस अवसर पर मार्गदर्शन करते हुए सत्तार खान ने कहा कि युवाओं को राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाते हुए राजाओं के आदर्शों को सामने रखकर कार्य करना चाहिए। शिवाजी महाराज एक आदर्श राजा थे उनके राज्य में सभी को न्याय मिलता था। उनकी सेना में मुसलमानों सहित सभी जातियों के सैनिक शामिल थे। वे एक न्याय प्रिय राजा थे।

सहकार सेल के अध्यक्ष ने की क्रीड़ा व युवक कल्याण अल्पसंख्यक विकास मंत्री से मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सहकारिता का गढ़ माना जाता है। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र प्रदेश सहकार सेल के अध्यक्ष रामदास मोरे ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए गत दिनों क्रीड़ा व युवक कल्याण अल्पसंख्यक विकास मंत्री दत्तात्रय भरने से मुलाकात की। इस अवसर पर सहकार सेल के कार्याध्यक्ष दीपक दादा शिंदे, भरत परब, अशोक सालवे और एडवोकेट वैभव झेंडे उपस्थित थे।

बीमा धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों से ऐसे बचें

मुंबई। बीमा धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, और जालसाज पहले से ज्यादा चालाक होते जा रहे हैं। किसी नकली इंश्योरेंस एजेंट के झांसे में आना आपको गंभीर मुसीबत में डाल सकता है, क्योंकि जरूरत के समय आपका बीमा कवर ही मान्य नहीं होगा। इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए, भारत की अग्रणी इंश्योरटेक कंपनी इंश्योरेंसदेखो ने 5 अहम संकेत बताए हैं, जो आपको नकली एजेंट की पहचान करने और ठगी से बचने में मदद करेंगे। नकली एजेंट जिन बातों पर ज्यादा ध्यान देते हैं उनमें अविश्वसनीय रूप से आकर्षक ऑफर, सिर्फ नकद में भुगतान की मांग, ऑनलाइन या आधिकारिक पहचान का न होना, अनौपचारिक बातचीत और असंगत संचार, जल्दबाजी में खरीदने का दबाव आदि मुख्य रूप से शामिल होते हैं। 1. अविश्वसनीय रूप से आकर्षक ऑफर: अगर कोई बीमा योजना बहुत कम प्रीमियम, गारंटीड हाई रिटर्न या एक्सक्लूसिव डील्स का वादा कर रही है, तो सतर्क रहें। असली पॉलिसी में हमेशा कुछ शर्तें और जोखिम जुड़े होते हैं। अगर कोई ऑफर असली से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो संभव है कि वह फर्जी हो। 2. सिर्फ नकद में भुगतान की मांग: कोई भी विश्वसनीय बीमा कंपनी न तो नकद भुगतान मांगेगी और न ही किसी निजी खाते में पैसा ट्रांसफर करने के लिए कहेगी। ठग नकद या अनौपचारिक भुगतान तरीकों को प्राथमिकता देते हैं ताकि उनका पता न लगाया जा सके। हमेशा सुनिश्चित करें कि भुगतान सीधे कंपनी के आधिकारिक खाते में ही जाए। 3. ऑनलाइन या आधिकारिक पहचान का न होना: आज के डिजिटल दौर में, असली इंश्योरेंस प्रोफेशनल्स की ऑनलाइन पहचान होती है। अगर किसी एजेंट की लिंक्डइन प्रोफाइल नहीं है, वह कंपनी की वेबसाइट पर सूचीबद्ध नहीं है, या बीमा नियामक संस्था में पंजीकृत नहीं है, तो यह साफ संकेत है कि कुछ गड़बड़ है। कोई भी निर्णय लेने से पहले एजेंट के उनके क्रेडेंशियल्स की पुष्टि जरूर करें। 4. अनौपचारिक बातचीत और असंगत संचार: वास्तविक बीमा एजेंट हमेशा कंपनी द्वारा जारी किए गए आधिकारिक ईमेल पते का उपयोग करते हैं। यदि कोई एजेंट जीमेल, याहू या किसी असामान्य ईमेल पते से आपसे संपर्क कर रहा है, तो सतर्क रहें। धोखेबाज आमतौर पर अनौपचारिक चैनलों की बजाय व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के माध्यम से संचार करते हैं। किसी भी निर्णय से पहले बीमा कंपनी से एजेंट के संपर्क विवरण की पुष्टि जरूर करें।

मीशो ने भारत के सबसे बड़े क्रिएटर मार्केटप्लेसेज में से एक का निर्माण किया: पहले साल 14.5 मिलियन यूजर और 21,000 इन्फ्लुएंसर कंटेंट कॉमर्स को आगे बढ़ाएंगे

मुंबई/पटना। मीशो भारत के सबसे बड़े क्रिएटर मार्केटप्लेसेज में से एक का लॉन्च करके इन्फ्लुएंसर्स से प्रेरित शॉपिंग में परिवर्तन ला रहा है। अपनी कंटेंट कॉमर्स स्ट्रेटजी के अंतर्गत इस प्लेटफॉर्म ने विस्तृत स्तर पर शॉपिंग का बेहतरीन और विस्तृत अनुभव प्रदान करने के लिए तीन महत्वपूर्ण पहलू पेश किए हैं: मीशो क्रिएटर क्लब: यह एक समर्पित इन-हाउस एफिलिएट प्रोग्राम है, जो टियर 2 और टियर 4 शहरों सहित सभी शहरों और सभी आकार के इन्फ्लुएंसर्स को सशक्त बनाता है और उन्हें रियल-टाईम परफॉर्मेंस एनालिटिक्स, तेज पेआउट, एवं प्रत्यक्ष सहयोग के अवसर प्रदान करता है। वीडियो फाईड्स: मीशो ऐप पर होस्ट होने वाले शॉर्ट और दिलचस्प प्रोडक्ट वीडियो यूजर्स को रोचक कंटेंट की मदद से सुगमता से उत्पाद तलाशने और शॉपिंग करने में समर्थ बनाते हैं। इन वीडियो में दिखाए गए उत्पादों को क्लिक किया जा सकता है, ताकि यूजर्स कंटेंट से बाहर जाए बिना तुरंत शॉपिंग कर सकें।

लाईव शॉप: रियल-टाईम इंटरैक्टिव सत्र, जिनमें विक्रेता और इन्फ्लुएंसर उत्पादों का प्रदर्शन करते हैं, सवालों के जवाब देते हैं, और तुरंत सेल संभव बनाते हैं। मीशो क्रिएटर्स के साथ साझेदारी करके ईकॉमर्स में परिवर्तन ला रहा है। ये क्रिएटर प्रतिवर्ष खरीदारी करने वाले 187 मिलियन यूजर्स की जीवनशैली से मेल खाते हैं।

राजस्थानी महिला मंडल का 7 मार्च को जागृति सम्मेलन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महिलाओं के उत्थान और विकास की दिशा में अनेक सामाजिक कार्यों के माध्यम से पिछले 70 वर्षों से अपनी विशेष पहचान बनाने वाली संस्था राजस्थानी महिला मंडल द्वारा 7 मार्च को गोवालिया टैंक स्थित तेजपाल हाल में दोपहर 2 बजे से जागृति सम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसका विषय है नारी सशक्तिकरणझ्र कितना? कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी शामिल होंगी। समारोह की अध्यक्षता राजश्री बिड़ला करेंगी। कार्यक्रम में सारिका जैन (आईआरटीएस) को महिला प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। अंजना चांडक द्वारा सीता की एकल प्रस्तुति की जाएगी। राजस्थानी महिला मंडल की प्रमुख सलाहकार डॉ मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा तथा अध्यक्ष लता रूंगटा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से उपरोक्त जानकारी दी है।

डोंबिवली की 65 अवैध इमारतों के मामले में राजनीति गरमाई

सुजीत नलावड़े ने किया पलटवार

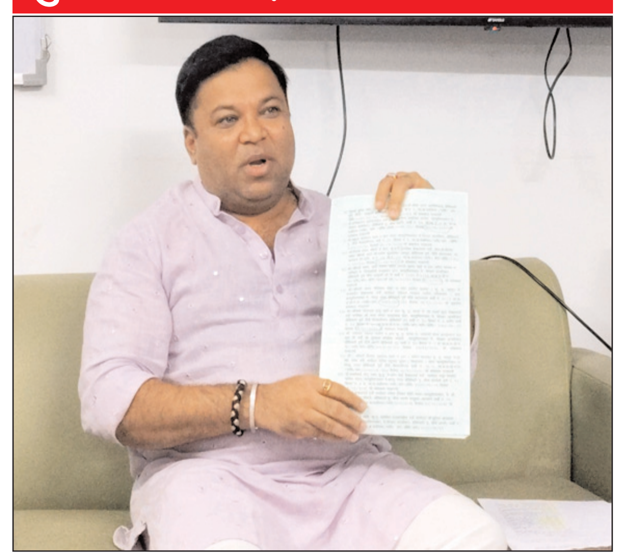

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली की 65 अवैध इमारतों के मामले में अब राजनीति गरमा गई है। ठाकरे गुट के जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने शिंदे गुट के उपशहर प्रमुख सुजीत नलावड़े को इस फर्जी मामले का सूत्रधार होने का आरोप किया था। उनके इस बयान पर सुजीत नलावड़े ने पलटवार किया है। डोंबिवली में आयोजित प्रेसवार्ता में नलावड़े ने कहा कि 65 अवैध इमारत के मामले से मेरा कोई संबंध नहीं है। दीपेश म्हात्रे द्वारा किया गयाआरोप बेबुनियाद है। नलावड़े ने आरोप लगाया कि मेरा करियर बर्बाद करने के इरादे से दीपेश म्हात्रे ने यह उलजुलूल बयान दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि महारेरा प्रकरण में बिल्डरों ने जो जाली अनुमति प्राप्त की है, वह 2018-20 के दरम्यान की है, और उस समय एक झूठे मामले में मैं जेल में बंद था। तो क्या जेल में बैठकर मैंने जाली दस्तावेज बनाए ?।

मेरी जान को धोखा- केवल इतना ही नहीं सुजीत नलावड़े ने ठाकरे गुट के नेता दीपेश म्हात्रे पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दीपेश म्हात्रे से मेरी जान को धोखा है। उन्होंने कहा कि बीते विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी और वर्तमान विधायक रविंद्र चव्हाण का समर्थन करने पर दीपेश म्हात्रे मुझसे नाराज थे। उन्होंने कई बार मुझसे मिलने की और मुझे अपने साथ मिलाने की कोशिश की। हालांकि शिवसेना (शिंदे) और महायुति के आदेश का पालन करते हुए मैंने रविंद्र चव्हाण का प्रचार किया। नलावड़े का आरोप है कि विधानसभा चुनाव का बदला लेने के लिए दीपेश म्हात्रे मुझे झूठे केस में फसाने का प्रयास कर रहे हैं।

अवधनगर निवासी समाजसेवी व व्यक्तित्व के धनी बंसी गुप्ता का जन्मदिन उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर उन्हे जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्व हिंदू परिषद बोईसर प्रखंड अध्यक्ष एसपी सिंह, निमोर्ही यादव, गणेश राणा, शिवलाल गुप्ता, मनोज भाई, भक्ति लोक गायक दिनेश्वर कुशवाहा, नंदलाल गुप्ता व अन्य लोग। छायांकन : उत्तरशक्ति

दर्द के समय में प्रेम कॅन्सर पेशंट्स एड असोसिएशन (सीपीएए) द्वारा वडाला, मुंबई के मिराज सिनेमा, IMAX थिएटर में वैलेंटाइन डे के अवसर पर एक दिल को छू लेने वाला कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 100 जोडीदार को एकत्रित किया गया, जिनमें से एक साथी कैंसर से लड़ रहा था।

भक्ति फिल्म मोटी सेठानी 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि के दिन पूरे देश में रिलीज के लिए तैयार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बहुप्रतीक्षित भक्ति फिल्म मोटी सेठानी 26 फरवरी 2025 को पूरे देश में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म का वितरण यूएफओ मूवीज इंडिया लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है और इसे राणा संजय तुलस्यान ने रासदा एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले निर्मित और निर्देशित किया है। फिल्म की कार्यकारी निमार्ता निम्मी तुलस्यान हैं।

मोटी सेठानी नारायणी की प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करती है, जिन्हें व्यापक रूप से महाभारत के अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा का पुनर्जन्म माना जाता है। वह रानी सती दादी के रूप में पूजी जाती हैं और उनकी अटूट भक्ति, शक्ति और बलिदान के लिए प्रसिद्ध हैं। उनका मुख्य मंदिर राजस्थान के झुंझुनू में स्थित है, जो भारत के सबसे बड़े मंदिर परिसरों में से एक है, और दुनिया भर में उनके 900 से अधिक मंदिर हैं।

पूरी तरह से राजस्थान में फिल्माई गई, यह फिल्म क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को खूबसूरती से दशार्ती है और ऐतिहासिक व धार्मिक प्रामाणिकता को जीवंत करती है। मोटी सेठानी अपनी हृदयस्पर्शी कहानी के माध्यम से दर्शकों को आस्था, दृढ़ संकल्प और दिव्य शक्ति का संदेश देती है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, राणा संजय तुलस्यान ने कहा, ह्लयह केवल एक फिल्म नहीं है; यह भक्ति और इतिहास के जीवंत होने का अनुभव है। हमने इस फिल्म को रानी सती दादी की विरासत के प्रति पूर्ण रूप से सच्चा रखने के लिए पूरी मेहनत की है।

नारायणी की भूमिका अनन्या बुबना द्वारा निभाई गई है, जबकि बाल कलाकार के रूप में लिनीशा गुप्ता नारायणी की भूमिका में नजर आएंगी। मोहित शर्मा और दिवाकर पाठक फिल्म के अन्य प्रमुख कलाकारों में शामिल हैं।

भक्ति से भरपूर विषयवस्तु, मंत्रमुग्ध करने वाले दृश्य और भावनात्मक रूप से गहरी कथा के साथ, मोटी सेठानी श्रद्धालुओं और सिनेमा प्रेमियों के दिलों को छूने का वादा करती है। 26 फरवरी 2025 को अपनी भव्य सिनेमा रिलीज के साथ, यह फिल्म केवल एक मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक यात्रा होगी, जो दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ेगी।

यूरोपीय संघ की आयात नियंत्रण प्रणाली 2 का विस्तार

मुंबई। यूरोपीय संघ की आयात नियंत्रण प्रणाली 2 (आईसीएस2) का उद्देश्य हवाई, समुद्री और अंतदेर्शीय जलमार्ग आवश्यकताओं के साथ-साथ, सड़क और रेल सहित सभी परिवहन साधनों के लिए एक मानकीकृत, आगमन-पूर्व सीमा शुल्क प्रक्रिया शुरू करके यूरोपीय संघ में प्रवेश करने वाले माल की सुरक्षा और संरक्षा को बढ़ाना है। आगमन से पहले, सटीक और पूर्ण प्रवेश सारांश घोषणा (ईएनएस) डेटा प्रस्तुत करना अनिवार्य करके, आईसीएस2, सीमा शुल्क अधिकारियों को आने वाले माल से जुड़े जोखिमों का बेहतर आकलन करने में सक्षम बनाता है, जिससे सीमा शुल्क अपराधों को रोकने और उनका मुकाबला करने की यूरोपीय संघ की क्षमता में सुधार होता है, और अंततः एक सुरक्षित और अधिक सुरक्षित व्यापार वातावरण सुनिश्चित होता है।

1 अप्रैल 2025 से, पूर्ण ईएनएस के माध्यम से, सड़क और रेल वाहकों को, माल के पहुंचने से पहले, यूरोपीय संघ को या उसके रास्ते से भेजे गए माल पर डेटा प्रदान करना होगा। यह दायित्व, डाक और एक्सप्रेस वाहकों से भी संबंधित है जो परिवहन के इन साधनों का उपयोग करके माल परिवहन करते हैं और साथ ही अन्य पक्षों, जैसे लॉजिस्टिक्स प्रदाताओं से भी संबंधित हैं। कुछ परिस्थितियों में, यूरोपीय संघ में स्थापित अंतिम प्राप्तकर्ता को भी आईसीएस2 को ईएनएस डेटा सबमिट करना होगा।

जो आर्थिक ऑपरेटर इस तिथि तक तैयार नहीं हैं, उन्हें अधिकतम 1 मार्च 2025 तक डिप्लॉयमेंट विंडो का अनुरोध करने के लिए यूरोपीय संघ के सदस्य राज्य (राष्ट्रीय सीमा शुल्क प्राधिकरण) के उस राष्ट्रीय सेवा डेस्क से संपर्क करना होगा, जहाँ उन्होंने पंजीकरण कराया है और अपना ईओआरआई नंबर प्राप्त किया है। डिप्लॉयमेंट विंडोज केवल अनुरोध पर ही प्रदान की जाती है।आईसीएस2 आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, प्रभावित व्यवसायों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे अपने ग्राहकों से सटीक और पूर्ण डेटा एकत्र करें, अपने आईटी सिस्टम और परिचालन प्रक्रियाओं को अपडेट करें और अपने कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करें।

SRMIST में पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम

मुंबई। चेन्नई स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने हाल ही में एक अभिनव पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम की शुरूआत की है। यह विशेष रूप से अगली पीढ़ी के पब्लिक हेल्थ लीडरों को तैयार करने के लिए विकसित किया गया है जिससे वे जटिल वैश्विक एवं स्थानीय स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में समर्थ बनेंगे। प्लस टू परीक्षा में न्यूनतम कुल 60% अंकों के साथ अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों के लिए यह प्रोग्राम खुला है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत एक सुसंरचित पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जो महामारी विज्ञान, जैव सांख्यिकी, स्वास्थ्य प्रणाली एवं नीति, स्वास्थ्य परियोजना प्रबंधन और स्वास्थ्य अनुसंधान को समावेशित करते हुए वैश्विक एवं स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों को एकीकृत करता है। यह अनुसंधान, डेटा एनालिटिक्स और कार्यक्रम मूल्यांकन पर व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करता है। ग्रेजुएट्स को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों, अनुसंधान संस्थानों, सीएसआर पहलों, कंसल्टिंग फर्मों, आईटी कंपनियों, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों, फार्मा और क्लिनिकल रिसर्च आगेर्नाईजेशनों, सरकारी स्वास्थ्य विभागों एवं शिक्षण संस्थानों में अपना विविध करियर बनाने की दिशा में लाभ मिलेगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बहन की डोली से पहले उठी भाई की अर्थी

शादी का माहौल मातम में तब्दील, पिकअप के धक्के से बाइक सवार मामा, भांजे की मौत

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के खेतासराय-दीदारगंज मार्ग पर जमदहाँ बाजार में मंगलवार की देर रात विपरीत दिशा से आ रही पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार मामा भांजे गम्भीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों व पुलिस की मदद से घायलों को प्राथमिक स्वस्थ्य केंद्र सोंधी पर भर्ती कराया गया जहाँ चिकित्सको ने मामा को मृत घोषित कर दिया गया जबकि भांजे को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहाँ पर पहुंचने के बाद भांजे ने भी दम तोड़ दिया जानकारी के अनुसार आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र के सुघरपुर निवासी गुलशन बिन्द (23 वर्ष) पुत्र जोखन बिन्द खेतासराय थाना क्षेत्र के जमदहा में अपनी बहन के घर सत्यम के छोटे भाई शिवम का जन्म दिन के कार्यक्रम में आए थे, रात करीब 9 बजे वापस अपने भांजे सत्यम बिन्द पुत्र शुभाष बिंद (12 वर्ष) निवासी जमदहा को साथ बाइक पर बैठा कर अपने घर वापस सुघरपुर लौट रहे थे, तभी जमदहा मदरसा महमूदिया के पास मोड़ पर विपरीत दिशा से आरही पिकअप वाहन से जोरदार टक्कर हो गई। दोनो बाइक सवार गम्भीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी पहुँचाया। जहाँ चिकित्सक ने गुलशन को मृत घोषित कर दिया वहीं भांजे सत्यम ने भी जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया मृतक गुलशन पांच बहन दो भाई सोनी, मोनी, चाँदनी, रानी व राधिका पाँच बहनें है। उसका एक छोटा भाई अंकित है। वहीं सत्यम दो भाई एक बहन हैं बड़ी बहन सुषमा का आज बरक्षा था और 23 फरवरी को शादी थी घर मे खुशी का माहौल मातम में तब्दील हो गया थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया की दुर्घटना में दोनों युवक की मौत हो गयी है।अज्ञान में मुकदमा कायम कर आवश्यक कार्यवाही की जारही है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अपनी संतान की बेहतरीन परवरिश करें: मौलाना अबूजर मदनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के मनेच्छा गाँव स्थित मदरसा बहरुल उलूम में वार्षिक जलसा और दस्तारबंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हाफिज शरफुद्दीन ने की, जबकि संचालन मौलाना मोहम्मद अहमद ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत कारी मोहम्मद यासीन द्वारा पवित्र कुरान की तिलावत से हुई। इस दौरान कुरान हिफ्ज (याद) करने वाले छात्रों, मोहम्मद राफे (पुत्र फि रोज अहमद) और अब्दुर्रहीम (पुत्र नसरुल्लाह) को मौलाना अबूजर मदनी, हाफिज शरफुद्दीन, मास्टर शमीम अहमद और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दस्तार (पगड़ी) पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मौलाना अबूजर मदनी ने कहा कि रशिक्षा अल्लाह की पहचान का जरिया है। इंसान शिक्षा के बिना अधूरा है। जिन लोगों ने ज्ञान प्राप्त किया।उन्होंने दुनिया में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। यह अल्लाह की बड़ी नेमत है कि इन बच्चों ने पवित्र कुरान को अपने हृदय में संजो लिया है। कुरान के हर शब्द को पढ़ने पर अल्लाह ने नेकी का वादा किया है। सोचिए, जिसने पूरे कुरान को याद कर लिया और जीवनभर उससे जुड़ा रहा, उसका अल्लाह के यहाँ क्या मुकाम होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह दुनिया तो आखिरकार खत्म हो जाएगी, लेकिन कयामत के दिन केवल हमारे अच्छे कर्म ही हमारे काम आएंगे। उस दिन न कोई हमारा साथ देगा और न ही कोई मदद कर पाएगा सिर्फ हमारे अपने कर्म ही हमारे साथ होंगे। इसलिए हमें इस दुनिया में रहते हुए अपने रब को राजी करना चाहिए। नमाज की पाबंदी करनी चाहिए, एक-दूसरे के हक अदा करने चाहिए और अपनी औलाद की बेहतरीन परवरिश करनी चाहिए ताकि समाज में शांति और सौहार्द बना रहे। मौलाना याकूब कासमी ने कहा कि रकुरान पाक मुकद्दस पवित्र किताब है।जिसमें कयामत तक एक हर्फ की भी तब्दीली नहीं हो सकती क्योंकि यह लाखों-करोड़ों दिलों में महफूज है। वे लोग कितने खुशकिस्मत हैं जिन्होंने अपनी संतान को हाफिज-ए-कुरान बनाया है। कुरान को अल्लाह ने इंसान की रहनुमाई के लिए उतारा है और जो इसके मुताबिक अपनी जिंदगी गुजारेगा, वह दुनिया और आखिरत में कामयाब होगा।मौलाना सलाहुद्दीन ने कहा कि ज्ञान रोशनी है। जो इसकी अहमियत को समझा और इसे हासिल किया।वे सफल हुए। जब तक हमारे अंदर ज्ञान प्राप्त करने का जज्बा नहीं होगा।हम इसकी कीमत नहीं समझ पाएंगे। हदीस मे है इल्मुम्में सबसे बेहतर वह है जो कुरान को सीखा और सिखाए। सोचिए, ज्ञान रखने वालों का कितना ऊँचा मकाम है। इसलिए, हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि दुनिया की तमाम कठिनाइयों को सहकर भी हम अपने नौनिहालों को शिक्षा दिलाएंगे। इस मौके पर मास्टर शमीम अहमद, मौलाना नवेद अहमद, मास्टर फैज अहमद, सकलैन, हाफिज सलमान, नासिर, अदनान समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शराब के नशे में वाहन को चढ़ाया प्लेटफार्म पर, थाने ले जाकर पुलिस ने निकाली हीरोगिरी

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कभी कभी बिगड़े हुए नौजवान शराब के नशे में कुछ भी कर जाते हैं और परिणाम के बारे में नही सोचते। बुधवार को स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर एक के पास शराब के नशे में दो युवकों पर इतनी खुमारी छा गयी की अपनी अर्टिगा वाहन प्लेटफार्म पर ही चढ़ा दिया। जब अन्य यात्रियों ने रोकने की कोशिश की तो उसमें सवार ग्राम करवारी थाना कादीपुर जनपद सुल्तानपुर निवासी योगेश तिवारी एवं विमल सिंह उनसे उलझ गया। कहा जाता है इस दौरान दोनों युवक एक महिला से भी अभद्रता किया। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस की आरपीएफ और जीआरपी टीम मौके पर पहुंची और नशे में धुत हंगामा कर रहे दोनों युवकों को गिरफ्तार कर आरपीएफ थाने लाया गया। वहां पुलिस ने दोनों की हीरोगिरी जमकर निकाली। आरपीएफ प्रभारी सुनील कुमार दिवाकर ने बताया की दो युवक अर्टिगा वाहन को प्लेटफार्म छह पर चढ़ा दिया। मौके पर पहुँचने पर पता चला की वाहन सवार दोनों युवक यात्रियों से हंगामा कर रहे थे।प्रथम दृष्टया दोनों शराब के नशे में लग रहे थे। फिल्हाल रेलवे की जीआरपी पुलिस रेलवे की सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की तैयारी कर रही थी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड तथा विकास कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड तथा विकास कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक मंगलवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग, जल जीवन मिशन, पर्यटन विभाग, समाज कल्याण विभाग, सहित अन्य विभागों की समीक्षा करते हुए पेंशन योजना, छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी सहित अन्य योजनाओं की प्रगति के संदर्भ में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि लगातार 03 महीने से जिनकी रैंकिंग खराब है उनका स्पष्टीकरण लिया जाए। बैठक में एक्सईएन विद्युत के अनुपस्थित रहने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। नए सड़कों का निर्माण, सड़कों के अनुरक्षण, 15वे वित्त आयोग, में खराब प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को पोर्टल पर नियमित फीडिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि सभी अधिकारीगण पोर्टल पर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा स्वयं करें।इसके पश्चात कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल, यूपीसीएलडीएफ, आवास विकास परिषद, राजकीय निर्माण निगम सहित अन्य से रनिगं ट्रैक,आईटीआई कालेज, मेडिकल कालेज, सिचाई विभाग की निमार्णाधीन परियोजनाओं, सेतु निगम के अन्तर्गत चल रही परियोजनाओं, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सीवरेज कार्यो आदि की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अरुण कुमार यादव, डीएफओ प्रवीण खरे, ए.सी.एम.ओ डॉ० राजीव यादव, डी.सी. एनआरएलएम, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, पर्यटन सूचना अधिकारी, अपल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आधी रात में बिस्तर से लापता हुआ दुधमुंहा मासूम, दर दर की ठोकर खा रहा परिवार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के अयोध्या मार्ग पर रह रहे परिवार का दो वर्षीय पुत्र नैना रात के वक्त सोते समय लापता हो गया। पिता प्रमोद सोनी व माता नयना देवी खोजबीन में लगे हैं। आजमगढ़ जनपद के सेमरी निवासी प्रमोद सोनी अपनी पत्नी व बच्चे के साथ हिन्द सिनेमा के सामने रहता हैं। वह कबाड़ खरीदने बेचने का काम करता है?। सोमवार की रात लगभग डेढ़ बजे जब दम्पति ने नींद से उठें तो मासूम लापता था। आस पास ढूंढने के बाद बुधवार को कोतवाली पहुंचा। अपने नात रिश्तेदार और अन्य शुभ चिंतकों को मामले की जानकारी दिया।सबने अपने स्तर से बहुत खोजा मगर कुछ पता नही चल सका। इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह से पूछने पर उन्होंने कहा की ऐसा कोई मामला हमारे संज्ञान में नही आया है।

पीएम एफएमई प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना ह्यह्यजनपदीय रिसोर्स पर्सनह्यह्य हेतु रोजगार का सुनहरा अवसर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा केन्द्र एंव राज्य सरकार की भागीदारी में मौजूदा सूक्ष्म खाद्य उद्यमों के उन्नयन के लिए वित्तीय तकनीकी एवं कारोबार सहायता देने के लिए पी0एम0 एफ0एम0ई0 प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना संचालित है। जिसमें लाभार्थियों को हैंडहोल्डिंग सपोर्ट प्रदान करने के लिए जनपदीय रिसोर्स पर्सन को सूचीबद्ध करने का प्रावधान है।रिसोर्स पर्सन हेतु पात्र व्यक्ति जो स्नातक एवं अनुभवी व इंश्योरेंस एजेन्ट, रिटायर्ड बैंक ऑफिसर भी पात्र होंगे। रिसोर्स पर्सन, एकल उद्योगों एंव समूहों को डी.पी.आर. तैयार करने, बैंक से ऋण लेने, एफएसएसएआई के खाद्य मानकों, उद्योग आधार, जीएसटी आदि सहित आवश्यक पंजीकरण एवं लाइसेंस प्राप्त करने में सहायता जैसी हैंड- होल्डिंग सेवायें प्रदान करेंगे। प्रत्येक लाभार्थी को उपलब्ध कराई गई सहायता के आधार पर रिसोर्स पर्सन को रू० 20000/- प्रति बैंक ऋण की स्वीकृति पर 50: शेष 50: का भुगतान उद्योग को जीएसटी एवं उद्योग आधार पंजीकरण प्राप्त होने तथा एफएसएसएआई मानकों के अनुपालन, परियोजना के इम्प्लीमेंटेशन तथा ट्रेनिंग प्रदान करने के पश्चात उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उ०प्र० लखनऊ से किया जाएगा। विस्तृत जानकारी www.pmfme.mofpi.gov.in पोर्टल से की जा सकती है। इच्छुक व्यक्ति आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मो0नं0, ई-मेल, आई०डी० शैक्षिक योग्यता व अनुभव, पासपोर्ट साइज की फोटोग्राफ सहित कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर पॉलीटेक्निक चौराहा कृषि भवन कैम्पस में 19 फरवरी 2025 से 28 फरवरी 2025 तक आवेदन कर सकते है।

हाईवे पर इनोवा कार ने तीन को रौंदा, दो की मौत

धर्मेंद्र कुमार शर्मा, बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र में स्थित हरपालगंज रेलवे फाटक के समीप के समीप नेशनल हाईवे-731 पर बुधवार को सड़क पर ठलअकके अंतर्गत कार्य कर रही तीन महिला मजदूरों को तेज रफ्तार से जा रही इनोवा कार ने कुचल दिया। वही जिसमें दो महिलाओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई,जिसे उपचार हेतु बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद रीता पत्नी राजमणि निषाद निवासी मीरपुर थाना आसपुर देवसरा प्रतापगढ़ की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। वहीं मृतक मजदूर की पहचान गीता देवी पत्नी जेठू निवासी तुरकौली थाना आसपुर देवसरा प्रतापगढ़ तथा शारदा देवी पत्नी श्याम बहादुर निवासी तमरसेपुर थाना चांदा सुल्तानपुर के रूप में की गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

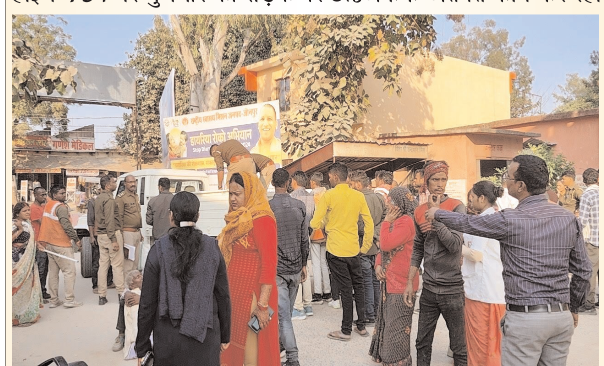

महराजगंज पुलिस ने चोरी के मुकदमे में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। महराजगंज पुलिस टीम द्वारा चोरी के मुकदमें में 1 आरोपी को किया गिरफ्तार व कब्जे से 9 बडा घण्टा पीली धातु व 6 छोटी घण्टी पीली धातु व दस हजार रुपये किये बरामद जौनपुर थाना महराजगंज पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 25/2025 धारा 303(2)/317(2) बी0एन0एस0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सूरज मिश्रा पुत्र सुरेशचन्द्र मिश्रा निवासी ग्राम नखतपुर थाना महराजगंज जनपद जौनपुर उम्र करीब 25 को दिनांक 18.02.2025 को समय 20.00 बजे गिरफ्तार किया गया व कब्जे से 09 बडा घण्टा पीली धातु व 6 छोटी घण्टी पीली धातु व दस हजार रुपये किये बरामद किये गये। आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान सम्बन्धित न्यायालय किया गया।

श्री वैकुंठधाम श्री शिव जी एवं नवग्रह मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद भंडारा का श्री शंकर कावंरिया सेवा समिति ने किया आयोजन

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के ऐतिहासिक पक्का पोखरा स्थित काली चौरा मन्दिर परिसर में नव निर्मित भगवान शिव परिवार, नव ग्रह, श्री विष्णु लक्ष्मी जी, संतोषी माता, पंच मुखी हनुमान जी, राम दरबार, श्री राधा कृष्ण, अन्नपूर्णा माता, अर्धनारीश्वर, भैरव जी, शीतला माता की प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत मंगलवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मन्दिर संस्थापक अध्यक्ष अशोक कुमार मोदनवाल बाबा के नेतृत्व में हुये आयोजन में हजारों भक्तों ने भंडारे का महाप्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान मन्दिर में भजन कीर्तन चलता रहा। पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

नगर के हनुमान घाट पर राष्ट्रवीर सेना द्वारा शिवाजी महाराज की मनाई गई जयंती

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हिन्द वी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज व भारत माता के चित्र पर सेना अध्यक्ष महेश कुमार व डॉ.मदन मोहन वर्मा ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया। मराठी समाज के प्रदेश महामंत्री धीरज पाटिल ने सभी को संबोधित कर शिवाजी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी जात-पात बोली -भाषा के नाम से बहुत बट चुके अब एक होने की जरूरत है।कार्यक्रम में राष्ट्रवीर सेना उपाध्यक्ष रोहित साहू नीरज सेठ, हिमाचल सेठ, ओमप्रकाश गुप्ता, सियाराम, डा.सूरज जायसवाल, अभिषेक मोदनवाल, सचिन तोड़वकर, मंगल सेठ, चन्दन सोनी, संतोष सावंत आदि लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित किया। राष्ट्रवीर सेना अध्यक्ष ने सभी से आग्रह किया कि अपने किमती समय से कुछ समय निकाल कर अपने महापुरुषों के जीवनी को पढ़ें।

एपीसीआर सीतापुर जिला टीम का गठन

आबिद खान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) ने एक विशेष समारोह में अपनी सीतापुर ज़िला टीम का औपचारिक रूप से गठन किया। इस समारोह में, एडवोकेट विजय कुमार अवस्थी, जो वर्तमान में सीतापुर ज़िला बार के अध्यक्ष हैं, को एपीसीआर सीतापुर का ज़िला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनके नेतृत्व से क्षेत्र में नागरिक अधिकारों के संरक्षण को मजबूती मिलेगी। एपीसीआर सीतापुर ज़िला टीम के नव-नियुक्त सदस्य इस प्रकार हैं। शाहनवाज हुसैन खान उपाध्यक्ष, एडवोकेट फहीम खान सचिव, अंजर हसन खान संयुक्त सचिव, कमरुल हक खान कॉर्डिनेटर, एहतेशाम हुसैन अंसारी ज़िला कमेटी सदस्य, मोहम्मद मोहसिन अंसारी ज़िला कमेटी सदस्य, ज़िला टीम का गठन, सीतापुर में न्याय की रक्षा करने और नागरिक अधिकारों को संरक्षित करने के लिए एपीसीआर के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। नव-नियुक्त सदस्यों ने मानवाधिकारों की सुरक्षा और समुदाय में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस आयोजन में लखनऊ से अधिवक्ताओं और मानवाधिकार कार्यकताओं ने भाग लिया। जिनमें एडवोकेट नजमुस्साकिब खान (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, एपीसीआर), एडवोकेट उमर खालिद (सचिव, एपीसीआर उत्तर प्रदेश), एडवोकेट साजिद खान (एपीसीआर उत्तर प्रदेश) और मोहम्मद मुजम्मिल शामिल थे।

महाशिवरात्रि तक बाबा का दर्शन करना नहीं है आसान, गंगा आरती और शाम के नौकायन पर भी प्रतिबंध

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। काशी विश्वनाथ के सुगम दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को अभी महाशिवरात्रि तक इंतजार करना पड़ेगा। महाकुंभ के पलट प्रवाह की भीड़ के मद्देनजर प्रशासन ने महाशिवरात्रि तक सुगम दर्शन की व्यवस्था को स्थगित कर दिया है। वहीं गंगा आरती और गंगा में शाम 6 बजे के बाद नौकायन पर भी प्रतिबंध जारी रहेगा। मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा ने इसके बाबत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकुंभ की भीड़ काशी में आ रही है। बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए रोजाना 7-8 लाख श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में प्रशासन की प्राथमिकता है कि श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं को जल्द से जल्द दर्शन मिल सके। महाशिवरात्रि पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ आ सकती है। इसलिए सुगम दर्शन की व्यवस्था और प्रोटोकॉल तब तक स्थगित रहेंगे। उसके बाद यह व्यवस्था शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि गंगा आरती और गंगा में शाम 6 बजे के बाद नौकायन पर प्रतिबंध भी महाशिवरात्रि तक जारी रहेगा। दरअसल, काफी संख्या में लोग पर्यटन के लिहाज से भी काशी आते हैं। इस समय महाकुंभ के पलट प्रवाह के चलते शहर में काफी भीड़ बढ़ गई है। प्रशासन की कोशिश है कि इस समय सिर्फ महाकुंभ के श्रद्धालु और बाबा के दर्शन वाले लोग ही काशी आएं। ऐसे में काशी की गंगा आरती और नौकायन पर प्रतिबंध लगाया गया है। महाशिवरात्रि के बाद व्यवस्था पूर्ववत हो जाएगी।

राजकीय आईटीआई सिद्दीकपुर में 21 फरवरी को रोजगार मेला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि शासन की मंशा एवं निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर कैम्पस जौनपुर में 21 फरवरी 2025 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें शिस्का इलेक्ट्रिकल मैनेजमेंट, मार्ग कंस्ट्री सर्विस के द्वारा ऑफिस सुपरवाइजर,आई0टी0आई0 फ्रेसर, आदि निजी क्षेत्र की कम्पनी के द्वारा विभिन्न पदों पर रोजगार मेलें में प्रतिभागी अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता:- हाईस्कूल, इंटर,आई0टी0 आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण एवं आयु सीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को भर्ती करेंगी। रोजगार मेलें में अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in पर जॉब सीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए, रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

रिहायशी पतरे के मकान में लगी आग, हजारों रुपए नकदी सहित लाखों का सामान जलकर खाक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जफराबाद लाइनबाजार क्षेत्र के सलखापुर गांव में बुधवार की शाम को विद्युत शार्ट सर्किट से 90 हजार रुपये नगदी सहित लाखों रुपये का सामान जल गया। गांव के लोगों ने किसी प्रकार आग पर काबू पाया। ऊक्त गांव निवासी लालबहादुर निषाद उर्फ लाला निषाद के घर मे अचानक विद्युत शार्ट सर्किट हो गयी। आग की चिंगारी ने पहले पतरे के साथ रखे हुए मड़हे में आग लग गयी। देखते देखते पतरे का मकान भी जलने लगा आग से घर मे रखा 90 हजार रुपये नगद, सोने की चैन, अंगूठी, कपड़े सहित गृहस्थी का सारा सामान जल कर राख हो गया। गांव में आग लगने की सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। ग्राम प्रधान ने घटना जी सूचना लेखपाल को दिया। उधर अपना सब कुछ आग से गवां चुके लाला निषाद के परिवार का रोकर बुरा हाल है।

आईआईटी बीएचयू के रिसर्च स्कॉलर भी नहीं रहे ढगी से अछूते, 9.15 लाख की ठगी का मामला

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बीएचयू में ऑनलाइन स्टॉक मार्केट एप के माध्यम से निवेश करा कर आईआईटी बीएचयू के गुरु रवींद्रनाथ टैगोर अपार्टमेंट में रहने वाले रिसर्च स्कॉलर पुष्पेंद्र सिंह से नौ लाख 15 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई। मामले को लेकर पुष्पेंद्र सिंह की तहरीर पर साइबर क्राइम पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह है पूरा मामला मथुरा के मूल निवासी 35 वर्षीय पुष्पेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि वह नौ दिसंबर 2014 को एक्स-17 आदित्य बिरला फाइनेंसियल क्लब व्हाट्स एप ग्रुप से जुड़े। ग्रुप की एडमिन अड्याना जोसेफ और सेथुरधनम रवी थे। पुष्पेंद्र ने बताया कि इससे पहले उन्होंने प्रसिद्ध स्टॉक मार्केट ट्रेडर रुचिर गुप्ता से ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग की क्लास ली थी। उन्हें लगा कि जिस व्हाट्स एप ग्रुप से वह जुड़े हैं वह भी रुचिर गुप्ता का है। बाद में पता लगा कि वह ग्रुप रुचिर गुप्ता का नहीं था। उस व्हाट्स एप ग्रुप में उन्होंने देखा कि बहुत सारे मेंबर्स अपना प्रॉफिट और निवेश किए गए रुपये का स्क्रीनशॉट डाल रहे हैं। व्हाट्स एप ग्रुप के एडमिन ने उन्हें आदित्य बिरला मनी एप एप्पल एप स्टोर से डाउनलोड करने को कहा। उस एप के जरिये उनका एक अकाउंट खोला गया और निवेश करने को कहा गया। निवेश करने के लिए एक करंट अकाउंट नंबर भेजा जाता था। उसमें उन्हें पैसा जमा करना होता था और वो कुछ देर बाद एप में दिखाई देता था। दो बार उन्होंने एप से 23 हजार रुपये निकाले तो उन्हें विश्वास हो गया कि वह फर्जी नहीं है। इस तरह से एक महीने के अंतराल में उन्होंने नौ लाख 15 हजार रुपये निवेश किया।

रवि व्यास ने की पं. भीमसेन जोशी अस्पताल में डायलिसिस टेक्नीशियन की भर्ती की मांग

मीरा भाईंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भाईंदर शहर के-पंडित भीमसेन जोशी (टेंबा) सरकारी अस्पताल में डायलिसिस मशीन को संचालित करने के लिए पर्याप्त संख्या में टेक्नीशियन ऑपरेटर का अभाव है. इस समस्या को देखते हुए भाजपा नेता एवं 145 मीरा भाईंदर विधानसभा चुनाव प्रमुख एड. रवि व्यास ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबिटकर को पत्र लिख कर यहां पर शीघ्र ही आवश्यकतानुसार टेक्नीशियन की भर्ती करने की मांग की है. इस अस्पताल में अभी फिलहाल एक टेक्नीशियन है जो 34 सेशन में डायलिसिस करता है इस अस्पताल मे मीरा, भाईंदर के अलावा, वसई, विरार, डहाणु से लेकर मुंबई तक के कई मरीज भी इलाज के लिए आते है. लेकिन यहाँ मशीन ऑपरेटर की कमी की वजह से मरीजों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. मरीजों की इसी समस्या के मद्देनजर देखते हुए एड.रवि व्यास ने इस अस्पताल मे 4 और टेक्नीशियन की भर्ती करने की मांग की है. जिससे यहां आने वाले मरीजों को और भी बेहतर सेवा मिल सके. एड. व्यास ने अपने पत्र में कहा है की अस्पताल के चीफ सर्जन द्वारा भी यहां पर टेक्नीशियन की भर्ती की मांग पहले से की जा रही थी परन्तु अभी तक यहां पर टेक्नीशियन की भर्ती नही हो पाई है. यहां पर पर्याप्त संख्या मे टेक्नीशियन की भर्ती होने पर यहाँ डायलिसिस के लिए आने वाले मरीजों एवं खास करके गरीब मरीजों को बेहतर सुविधा मिलेगी। इसलिए सरकार को तुरंत इसका संज्ञान में लेते हुए उचित कदम उठानी चाहिए।

सुशील उपाध्याय जिला अध्यक्ष एवं मनीष सिंह जिला महामंत्री चुने गए

जौनपुर। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ जनपद इकाई शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं त्रैवार्षिक अधिवेशन रविवार को बक्शा विकास खण्ड के शिवगुलामगंज कम्पोजिट विद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रांतीय महामंत्री शिक्षक संघ अरुणेंद्र कुमार वर्मा की मौजूदगी में जिला संगठन का निर्विरोध चयन किया गया। चयन के दौरान सुशील उपाध्याय को पुनः जिलाध्यक्ष चुना गया। चुनाव अधिकारी चंदौली अध्यक्ष आनन्द पाण्डेय, पर्यवेक्षक मण्डल अध्यक्ष डॉ. संतोष तिवारी की मौजूदगी में डॉ. मनीष सिंह सोमवंशी को जिला महामंत्री व अनुपम श्रीवास्तव को जिला मंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेश चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष द्वय विष्णुशंकर सिंह, चतुर्भुज यादव एवं कोषाध्यक्ष अच्छेलाल चौहान सहित समस्त कार्यकारिणी का चयन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री वर्मा ने कहा कि बिना संगठन को मजबूत किये बिना हम अपनी लड़ाई नही लड़ सकतें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मान सम्मान के लिए जो भी लड़ाई लड़नी होगी संगठन मजबूती के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का हित सर्वोपरि है। इसके पूर्व मुख्य अतिथि द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती का पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। जिला अध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने सभी शिक्षकों के प्रति आभार जताते हुए कंधे से कंधा मिलाकर चलने का भरोसा दिया। संचालन शैलेश चतुर्वेदी एवं अध्यक्षता शिवजोर ने की। मंचासीन प्रमुख लोगों में राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित सत्यप्रकाश पाण्डेय व लल्लन उपाध्याय, प्रदेश संयुक्त मंत्री मंजू पाण्डेय, जिलाध्यक्ष वंदना, शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अमित सिंह, बक्शा ब्लॉक अध्यक्ष सरोज कुमार सिंह,जितेंद्र उपाध्याय, शैलेन्द्र सिंह, जितेन्द्र श्रीवास्तव, दीपनारायण उपाध्याय सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहें।

सड़क किनारे अज्ञात युवक का मिला शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाने की पुलिस ने धनिया मऊ के पास स्थित एक ढाबे के पास से बुधवार तड़के अज्ञात व्यक्ति की लाश को बरामद किया है। लाश को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से इसकी मौत हुई है और वह पुरुष है। लाश के ऊपर से इतने वाहन गुजर गए थें कि लाश का पहचान करना बहुत मुश्किल हो गया था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

युवती से छेड़छाड़ का आरोपी युवक हिरासत में

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय रेलवे स्टेशन समीप स्थित बंजारों के एक डेरा में घुसकर युवक युवती से छेड़छाड़ करने लगा। युवती के शोर मचाने पर लोगों ने उक्त युवक की पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय रेलवे स्टेशन के पास खानाबदोश डेरा डाल कर रहते हैं। मंगलवार की रात करीब नौ बजे एक युवती अपने डेरे में सो रही थी कि नगर के एराकियाना मुहल्ला निवासी युवक ने उसके डेरे में घुसकर छेड़छाड़ शुरू कर दिया। जिसका विरोध करने पर युवती से मारपीट करने लगा। युवती ने जब शोर मचाया तो अगल बगल के लोग मौके पर पहुंचे और युवक की पिटाई कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

सड़क किनारे खाना बना रही मजदूर महिलाओं को कार ने रौंदा दो की मौके पर मौत, एक की हालत गंभीर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ तेज रफ्तार कार हाईवे पर काम कर रही 3 महिला मजदूर को रौंदा दो महिलाओं की मौके पर मौत हो गई और एक मजदूर गम्भीर रूप से घायल हो गई । सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायल को अस्पताल भर्ती कराया। तेजरफ्तार कार वाराणसी की तरफ से आ रही थी चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार घटना सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव के ब्रिज एनएच 731 के पास का मामला है। मामले की जानकारी देते हुए घटनास्थल पर मौजूद मजदूर ने बताया कि हम लोग हाईवे की किनारे खाना बना रहे थे और काम भी कर रहे थे। इसी दौरान बनारस की तरफ से तेज रफ्तार एक इनोवा कार ने खाना बना रही तीन महिलाओं को रौद दिया। मौके पर काम कर रही दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल है जिसे घायल अवस्था में अस्पताल में पुलिस ने भर्ती कराया। वहीं वाहन चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं पुलिस इनोवा कार को वहां से हटवा दिया है और अपने साथ थाने ले गई है जिससे कि यातायात बाधित न होने पाए।

आयटीसीएक्स 2025 के दूसरे दिन प्रमुख वक्ताओं ने सनातन धर्म के मंदिर स्वायत्तता के एजेंडे पर जोर दिया

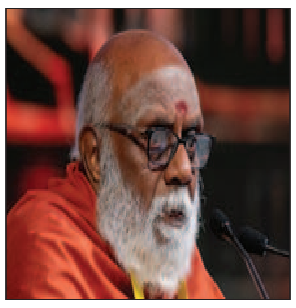

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आंतरराष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी अर्थात आयटीसीएक्स 2025 के दूसरे दिन के सत्र में उपस्थित प्रमुख राजनीतिक नेता और मंदिरों के प्रतिनिधियों ने आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण कम करने के एजेंडे का समर्थन किया। यह त्रिदिवसीय सम्मेलन 17 फरवरी से 19 फरवरी तक तिरुपति के आशा कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है। आयटीसीएक्स 2025 का दूसरा दिन सनातन धर्म की रक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित रहा। तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई और विश्व हिंदू परिषद के महासचिव मिलिंद परांडे ने भारत के तकनीकी और आध्यात्मिक पुनरुत्थान से जुड़े आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की मंदिर-आधारित आर्थिक परिवर्तन की अवधारणा को और अधिक मजबूत किया। इस दिन तकनीकी क्षेत्र के विशेषज्ञ, मंदिर प्रशासन और आध्यात्मिक प्रतिनिधि एक साथ आए और प्राचीन ज्ञान और आधुनिक नवाचार के बीच संतुलन स्थापित करने पर चर्चा की। प्रमुख सत्रों में एआय की मदद से मंदिरों में भीड़ प्रबंधन, डिजिटल भुगतान प्रणाली का क्रियान्वयन और प्राचीन मंदिर परंपराओं को बनाए रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जोर दिया गया। तमिलनाडु भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई ने अपने भाषण के दौरान मंदिरों की स्वायत्तता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जिस समय भगवान वेंकटेश्वर की कृपा से हमें सत्ता में आने का अवसर मिला, उसी समय हम ने अवैध हिंदू धार्मिक और धर्मदाय निधि अधिनियम को रद्द कर सभी 44,121 मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने का संकल्प किया था।

कुंभ से लौट रहे श्रद्धालु की कार दुर्घटनाग्रस्त, आधा दर्जन घायल

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बोधापुर गांव महावीर बाबा के पास बुधवार की सुबह 6 बजे के करीब एक ही परिवार के 6 लोग संगम से स्नान करके लौट रहे थे। इसी दौरान ओवरटेक करने के चक्कर में सामने से आ रही ट्रक से कार टकरा गई। हादसे में 5 लोग घायल हो गए। चीख पुकार सुनते ही आस-पास के लोग बीच-बचाव करने के लिए दौड़ पड़े। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। बता दें कि बिहार के सिवान जिला हर्बल गांव निवासी सुरेंद्र यादव की पत्नी बसंती, पुत्री सुमन यादव, रीवा, पुत्र मृत्युंजय व अमित सभी अपने निजी कार में बैठकर प्रयागराज स्नान के लिए गए थे। लौटते समय सुबह 6 बजे बोधापुर महावीर बाबा के पास विपरीत दिशा से सीमेंट लादकर आ रही ट्रक से ओवरटेक करने के चक्कर में कार टकरा गई, जिसमें बसंती को छोड़कर अन्य 5 लोग घायल हो गए।

जानी-मानी ट्रैवल पर्सनैलिटी पर हमला, मामला राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में

वसई। वसई पश्चिम के मर्सेस के पेडी वाडी में अवैध रूप से घुसने, हिंसक हमले और धमकी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। जहां सात व्यक्तियों के एक समूह ने जबरन एक निजी आवास में प्रवेश किया। गृहस्वामी पर शारीरिक हमला किया और उसकी बुजुर्ग मां पर हमला किया। यह घटना 2 फरवरी, 2025 को हुई, जो एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर में घुसने के मामले के रूप में शुरू हुई और बाद में कई हमलावरों को शामिल करते हुए एक बड़े पैमाने पर हमले में बदल गई। पीड़ित, कैल्टन परेरा, ट्रैवल इंडस्ट्री में एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व हैं।

इस घटना ने तब से राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है, उद्योग जगत के साथियों, कानूनी विशेषज्ञों और भारत भर के नागरिकों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। श्री परेरा के अनुसार, घटना दोपहर 1:27 बजे शुरू हुई जब लाल टी-शर्ट पहने एक अज्ञात व्यक्ति मुख्य द्वार से उनकी संपत्ति में घुस आया। ऐसा लग रहा था कि वह अजनबी फोन पर बात कर रहा था और जब उससे बात की गई तो वह आक्रामक तरीके से पेश आया। श्री परेरा ने कहा, जब मैंने उससे पूछा कि वह कौन है, तो वह मुझ पर चिल्लाया और कहा, 'क्या तुम नहीं समझते कि मैं फोन पर बात कर रहा हूँ? मुझे परेशान मत करो।' जब मैंने उसे याद दिलाया कि वह निजी संपत्ति पर है, तो वह गाली-गलौज करने लगा। एक तीखी बहस के बाद, श्री परेरा ने घुसपैठिए को अपनी संपत्ति से हटा दिया और गेट बंद कर दिया, यह मानते हुए कि मामला खत्म हो गया है।

होंडा ने लॉन्च की ओबीडी2बी कंप्लायंट हॉर्नेट 2.0

पटना(उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपडेटेड ओबीडी2बी कंप्लायंट हॉर्नेट 2.0 को लॉन्च किया, जो आधुनिक स्टाइलिंग, नवीनतम तकनीक और बेहतर सुरक्षा फीचर्स के साथ आती है। नई 2025 होंडा हॉर्नेट 2.0 की कीमत रु. 1,56,953 (एक्स-शोरूम, दिल्ली) रखी गई है और यह अब पूरे भारत में एचएमएसआई रेड विंग और बिगविंग डीलरशिप पर उपलब्ध है। अपडेटेड हॉर्नेट 2.0 को पेश करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष और सीईओ, त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, ₹अगस्त 2020 में पहली बार पेश किए जाने के बाद से ही हॉर्नेट 2.0 इस सेगमेंट में गेम-चेंजर रही है। वर्षों से, हमने इस मोटरसाइकिल को लगातार अपडेट किया है और स्पेशल मोटोजीपी एडिशन मॉडल भी लॉन्च किए, जिन्हें हमारे ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। नई ओबीडी2बी कंप्लायंट हॉर्नेट 2.0 के साथ, हम इस विरासत को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं, जो अधिक रिफाइंड राइडिंग अनुभव, अत्याधुनिक तकनीक और उन्नत सुरक्षा फीचर्स प्रदान करती है। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के निदेशक, सेल्स और मार्केटिंग, योगेश माथुर ने कहा, हम हॉर्नेट 2.0 के नवीनतम संस्करण को पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं, जो नए और रोमांचक फीचर्स के साथ आता है। इस मोटरसाइकिल में अब अधिक आक्रामक ग्राफिक्स, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ एक उन्नत डिजिटल टीएफटी डिस्प्ले, और होंडा सेलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल और डुअल-चैनल एबीएस जैसी सुरक्षा सुविधाएँ हैं। प्रदर्शन प्रेमियों के लिए डिजाइन की गई यह बाइक, स्ट्रीट फाइटर अनुभव को नए आयाम पर ले जाने के लिए तैयार है।

बोल्ट ऑडिओ की फोर्ड मस्टॅंग के साथ साझेदारी की घोषणा

मुंबई। बोल्ट ऑडिओ ने फोर्ड मस्टॅंग के साथ साझेदारी की घोषणा की है, जिसमें नई उच्च प्रदर्शन ऑडिओ उत्पाद श्रृंखला को पेश किया गया है। इस साझेदारी के कारण, बोल्ट का भारत के तेजी से बढ़ते स्मार्ट ऑडिओ मार्केट में स्थान मजबूत हो गया है और कंपनी के अत्याधुनिक तकनीक प्रदान करने के उद्देश्य को साकार किया गया है। बोल्ट एक्स मस्टॅंग संग्रह में मस्टॅंग क्यू, मस्टॅंग डायनो और मस्टॅंग टॉर्क शामिल हैं, जो दो नए रंगों में उपलब्ध हैं। ये उत्पाद बोल्ट ऑडिओ की वेबसाइट के साथ-साथ अमेजन और फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध हैं, जिनकी कीमतें 1,299 रुपये से शुरू होती हैं।

वेबसाइट पर विशेष लॉन्च ऑफर्स भी उपलब्ध हैं। बोल्ट के सह-संस्थापक और सीईओ वरुण गुप्ता ने कहा, ₹भारत का ऑडिओ वेअरेबल्स मार्केट तेजी से बढ़ रहा है और उच्च गुणवत्ता के टीडब्ल्यूएस उत्पादों की मांग बढ़ती जा रही है। बोल्ट में, हमें नवाचार के साथ बाजार पर कब्जा करने का अवसर दिखाई देता है और उच्च प्रदर्शन ऑडिओ अनुभव प्रदान करना हमारा उद्देश्य है। हमारी विस्तारित मस्टॅंग साझेदारी हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत करेगी और हमें टीडब्ल्यूएस क्रांति के अग्रणी स्थान पर रखेगी।

हमारी 90% संलग्नता डिजिटल है, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि जब लोग बोल्ट खोजते हैं, तो यह लॉन्च प्रमुख रूप से दिखाई दे। मस्टॅंग क्यू, डायनो और टॉर्क हमारे भारत के प्रतिस्पर्धी ऑडिओ मार्केट में वृद्धि के यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण है। इस साझेदारी के कारण, बोल्ट ने अपने टीडब्ल्यूएस सेगमेंट में प्त10% बाजार हिस्सेदारी बढ़ा ली है, जिससे ब्रांड की पहचान बढ़ी है और व्यवसाय की वृद्धि को गति मिली है।

माटुंगा एफ नार्थ वार्ड मनपा के नव नियुक्त सहायक आयुक्त नितीन चंद्रप्रताप शुक्ला को लोगों ने दी बधाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगर पालिका माटुंगा पूर्व भाऊदाजी रोड स्थित एफ नार्थ वार्ड के नव नियुक्त सहायक आयुक्त नितीन चंद्रप्रताप शुक्ला की नियुक्ति पर उत्तर भारतीय प्रवासियों में हर्ष की लहर छा गई । दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, प्रातःकाल दैनिक संस्करण मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार राजमल पेमावत, मां विंध्यवासिनी मंदिर सायन कोलीवाड़ा के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ भोलानाथ चौहान, अरविंद मिश्रा, समाजसेवी रत्नेश अग्रवाल,चंद्र मणी गुलाब सिंह यादव (तक्रार अधिकारी) ने पुष्प गुच्छ देकर सहायक आयुक्त का स्वागत अभिनन्दन किया। वहीं उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू ने पहले ही बधाई दे चुके थे। तत्पश्चात दैनिक उत्तर शक्ति संस्करण के उप संपादक प्रेमचंद मिश्रा ने सहायक आयुक्त से संवाद करते हुए कहां कि आपके अधिकार में आने वाले क्षेत्र का विकास एवं उत्थान करने हेतु आपके क्या विचार रहेंगे। आयुक्त ने कहां कि मैं अपने कर्तव्य को सर्वोपरि समझते हुए जनता जनार्दन के लिए प्रमुख सुख सुविधा सुलभ कराने का मुख्य लक्ष्य निर्धारित किया जायेगा। उसी के साथ रास्तों से अवैध अतिक्रमण को हटाने का कार्य भी होगा। जिससे बुजुर्ग पुरुष एवं माता बहनों को चलने फिरने में तकलीफ नहीं हो उसका पुर्ण ध्यान आकर्षित किया जाएगा एवं क्षेत्र में निवास करने वाले महत्वपूर्ण व्यक्तियों से पुर्ण सहयोग की आशा एवं अपेक्षा रखुगा। मेरे अधीन कार्य करने वाले अधिकारीयों को जबाबदारी समर्पित करके कार्य करने की चेष्टा रहेगी। किसी व्यक्ति विशेष को तकलीफ न हो उसके लिए जिम्मेदारी प्रदान की जायेगी। प्रत्येक कामगारों के साथ में स्वयं वार्ड में वृक्षारोपण, बगीचों को हरा-भरा एवं सड़कों को सुन्दर एवं क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किया जायेगा। उपरोक्त कार्यो को संभव बनाने वार्ड में निवास करने वाले लोगों से सहयोग लिया जाएगा। स्वच्छता के लिए कामगारों को जागरूक बनाने के लिए बैठक लेने का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। कामगारों का हौसला बुलंद करने के लिए योग्य पुरस्कार राशि देने के लिए उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श करुंगा। सहायक आयुक्त ने कहा कि फुटपाथ पर अवैध कब्जा करने वालों को शीघ्रता से शीघ्र हटाये जायेंगे। अपने कार्य को पुजा का दर्जा देते हुए अपने कार्यकाल को आदर्श बनाने में पुर्ण रुपेण कोशिश करुंगा।

युवा ब्रिगेड द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती का आयोजन

मुंबई। युवा ब्रिगेड असोसिएशन द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती का आयोजन केशव पाड़ा, मुलुंड प. पर डॉ सचिन सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ बाबूलाल सिंह, श्रीमती रीना मोजेस, मनोज सिंह तथा अलविन क्लासेस के विद्यार्थी उपस्थित रहे। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण डॉ बाबूलाल सिंह एवं डॉ सचिन सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. बाबूलाल सिंह ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपनी कुशलता से मुगल सम्राटो को हरा कर हिन्दवी स्वराज की स्थापना की। छापामार युद्ध प्रणाली में प्रवीण मराठा सरदारों के साथ शिवाजी महाराज ने मुगलों के कई प्रान्त एवं किलों को कब्जा कर अपने साम्राज्य में मिलाया। ऐसे ग्रेट मराठा छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर शत शत नमन ' सभी बच्चों ने जय भवानी जय शिवाजी के नारे लगाए।

महाकुंभ के आयोजन की समीक्षा कर रिपोर्ट तैयार करने और विश्व गाइड बुक बनाने का निर्णय

विश्व को प्रबंधन की राह दिखाएगा महाकुंभ आईआईटी कानपुर की टीम तैयार करेगी वर्ल्ड गाइड बुक

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। संगम पर लगे विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक-धार्मिक महत्व के महाकुंभ के प्रबंधन के आधार पर योगी आदित्यनाथ सरकार दुनिया को वर्ल्ड गाइड बुक के रूप में अनूठा तोहफा देगी। एक तट पर संस्कृतियों, संप्रदायों, मतों, विचारों और संतों-भक्तों के अद्भुत समागम को लेकर वैश्विक स्तर पर सुर्खियां बटोरने वाले महाकुंभ की सुरक्षा, स्वच्छता, सेवा, अतिथि सत्कार, सफाई, यातायात और साज-सज्जा पर शोधपरक अध्ययन कर खास रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रिपोर्ट के आधार पर मार्च के अंत तक वर्ल्ड गाइड बुक तैयार कर ली जाएगी। यह गाइड बुक आने वाले समय में महाकुंभ सरीखे विश्व स्तरीय आयोजनों की सफलता के लिए मददगार साबित होगी। महाकुंभ के आयोजन की समीक्षा कर रिपोर्ट तैयार करने और विश्व गाइड बुक बनाने का निर्णय मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो.मणींद्र अग्रवाल की मौजूदगी में लिया गया है। मेला प्रशासन की रिपोर्ट के मुताबिक प्रबंधन की दृष्टि से संगम तट पर होने वाले अब तक उज्जैन, नासिक, हरिद्वार और प्रयगाराज में हुए कुंभ मेलों की गिनती दुनिया के कुछ चुनिंदा आयोजनों में की जा सकती है, लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या और प्रबंधन के लिहाज से इस बार का महाकुंभ सबसे बड़ा साबित हो सकता है। आईआईटी कानपुर इस वैश्विक आयोजन के हर पहलू का अध्ययन रिपोर्ट तैयार कर रहा है। आईआईटी कानपुर के इकॉनमिक्स, इलेक्ट्रिकल और टेक्निकल समेत अन्य विभागों के 20 फैकल्टी मेंबर महाकुंभ के

प्रबंधन पर अध्ययन के लिए लगाए गए हैं। आईआईटी में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों को इसमें शामिल किया गया है। महाकुंभ के प्रबंधन की विशेषताओं पर आधारित रिपोर्ट के जरिए देश-दुनिया में भविष्य में होने वाले ऐसे आयोजनों के लिए यह एक तरह की अनूठी गाइड बुक होगी। मेला प्रशासन से जुड़े एक अफसर ने बताया कि 2019 में आईआईएम बंगलूरू ने कुंभ के प्रबंधन की खूबियों पर अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार की थी, लेकिन उसमें इंजीनियरिंग का पहलू शामिल नहीं था। आईआईटी कानपुर की टीम मोबाइल कंपनियों के टॉवर का डेटा जुटाने के साथ ही बसों-ट्रेनों में टिकट बिक्री, ई-पेमेंट, साइबर सुरक्षा, पेंट माय सिटी, जीएसटी संग्रह और टोल कलेक्शन का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार कर रही है। इसके लिए कई बार आईआईटी के विशेषज्ञों ने कुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद के अलावा प्रयागराज मेला प्राधिकरण के अन्य अफसरों के साथ बैठक कर जरूरी जानकारियां जुटाई हैं। लिडार तकनीक से भीड़ प्रबंधन, प्रदूषण और तकनीकी पहलुओं का परीक्षण कराया गया है। महाकुंभ में लगाए गए कैमरों और अन्य तकनीकी सामानों को भी परखा गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई महत्वपूर्ण डेटा लीक नहीं होने पाएगा। आने वाले समय में विश्व में होने वाले बड़े आयोजनों की सफलता के लिए महाकुंभ के आयोजन के प्रबंधन के आधार पर वर्ल्ड गाइड बुक बनाने का जिम्मा मिला है। इसके लिए अलग-अलग टीमें अध्ययन में लगाई गई हैं। मेला प्रशासन के साथ इस पर कई बैठकें हो चुकी हैं। मार्च के अंत तक वर्ल्ड गाइड बुक तैयार होने की उम्मीद है। यह वैश्विक आयोजनों के लिए अपने तरह की पहली गाइड बुक होगी। नासिक के संभागीय आयुक्त डॉ. प्रवीन गेडाम की अगुवाई में अफसर पहुंचे हैं। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने विस्तृत जानकारी दी। टीम में विशेष पुलिस महानिरीक्षक दत्तात्रय कराले, डीएम जलज शर्मा, नगर आयुक्त मनीषा खत्री, सीईओ माणिक गूर्सल समेत त्रंबकेश्वर प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हैं। वहीं, मप्र के 10 आईपीएस व 19 डिप्टी एसपी आए हैं। इनमें नौ महिला भी शामिल हैं। मंगलवार को इन अफसरों ने अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर भीड़ प्रबंधन के गुर सीखे। पांटून पुलों पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था देखी तो कमांड सेंटर में पहुंच जाना कि कैसे कई किमी के एरिया में फैले मेला क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर दिन-रात निगरानी की जा रही है। यहां से मिलीं जानकारियां 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ कुंभ के आयोजन में बेहद मददगार साबित होंगी।

छात्रा आत्महत्या मामलाः नेपाल सरकार की धमकी- भारत जाने वाले छात्रों को नहीं देगा एनओसी

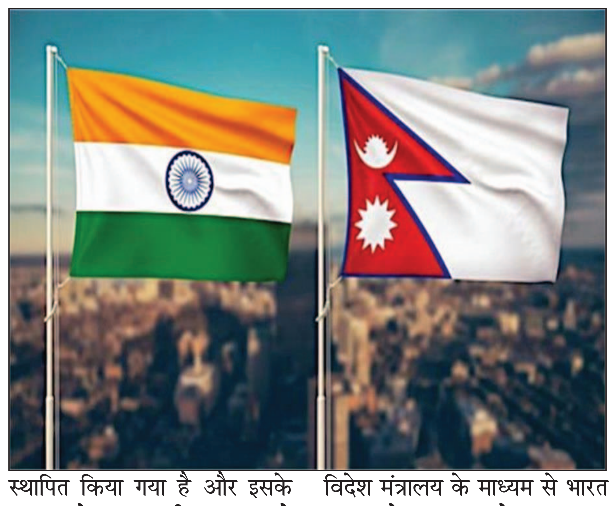

ओडिशा। ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में बीटेक (कंप्यूटर साइंस) थर्ड ईयर की नेपाली छात्रा प्रकृति लमसल (20) की संदिग्ध आत्महत्या ने गंभीर विवाद खड़ा कर दिया है। 16 फरवरी को उसका शव उसके हॉस्टल के कमरे में बरामद हुआ, जिसके बाद KIIT परिसर में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। इस घटना ने न केवल भारत बल्कि नेपाल में भी गुस्से की लहर पैदा कर दी है। नेपाल सरकार ने इस मुद्दे को लेकर तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह भविष्य में ओडिशा के किसी भी विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान में पढ़ने के लिए अपने छात्रों को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने पर विचार कर सकती है।

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस मामले से उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है और इसके माध्यम से वह भारतीय सरकार से लगातार संपर्क में है। नेपाल के शिक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा, ₹हम चाहते हैं कि KIIT में पढ़ाई करने वाले नेपाली छात्रों को एक सुरक्षित और अनुकूल माहौल मिले, ताकि उनकी शिक्षा जारी रह सके। हम विदेश मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार के साथ इस मुद्दे पर समन्वय कर रहे हैं।₹ इस मामले ने नेपाल की संसद में भी उबाल मचाया, जहां सांसदों ने KIIT प्रशासन और भारतीय अधिकारियों से इस मामले की गहन जांच की मांग की। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भी ट्वीट करके नेपाली छात्रों से अपील की कि वे सुरक्षित रहें और जरूरत पड़ने पर वापस घर लौट आएं।

विरोध प्रदर्शन तब और बढ़ गए जब कुछ कर्मचारियों का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने अपमानजनक बयान दिए थे, जिससे छात्र समुदाय में और आक्रोश पैदा हुआ। KIIT प्रशासन ने इन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया और आधिकारिक रूप से माफी मांगी। अब तक इस मामले में कुल 6 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें छात्रा का एक साथी छात्र, KIIT के तीन निदेशक और दो सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। ओडिशा सरकार ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के लिए एक समिति गठित की है। नेपाल सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया ने इस घटना को एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दे में बदल दिया है, और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।

ध्रुव प्रजापति ठाणे जिला के तीरंदाजी कंपटीशन में प्रथम, महाराष्ट्र चैंपियन के लिए हुआ चयन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। सेंट जेवियर इंटरनेशनल स्कूल कल्याण के कक्षा तीन का छात्र ध्रुव अजय प्रजापति ठाणे जिला के तीरंदाजी कंपटीशन में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके बाद उसका चयन 1मार्च 2025 को होने वाले महाराष्ट्र चैंपियन के लिए चयनित किया गया। ध्रुव प्रजापति के तीरंदाजी में प्रथम स्थान हासिल करने तथा महाराष्ट्र चैंपियन के लिए चयनित होने पर उसके माता-पिता सहित सगे संबंधियों व स्कूल के शिक्षकगण उसके उज्जवल भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दी

नेशनल गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता महिला की जिम में मौत, देशभर में शोक की लहर

राजस्थान। राजस्थान के बीकानेर में एक खौफ नाक हादसा हुआ। जिम में पावरलिफ्टिंग की प्रैक्टिस करते हुए नेशनल खिलाड़ी यष्टिका आचार्य की दर्दनाक मौत हो गई। यष्टिका ने गर्दन पर 270 किलो वजन उठाया था। इस दौरान उनका हाथ स्लिप हो गया, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वजन उनकी गर्दन पर गिर गया। इससे उनकी गर्दन टूट गई। हादसे के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बीकानेर के नत्थूसर गेट स्थित द पावर हेडक्टर जिम में यष्टिका आचार्य अपनी रोज की प्रैक्टिस कर रही थीं। उन्होंने 270 किलो का वजन गर्दन पर उठाया था। जैसे ही उनका हाथ स्लिप हुआ, उनका संतुलन बिगड़ गया और पूरा वजन उनकी गर्दन पर गिर गया। इस घटना से यष्टिका को तेज झटका लगा और वह बेहोश हो गईं। जिम में मौजूद अन्य खिलाड़ियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। कुछ समय पहले ही यष्टिका ने गोवा में आयोजित 33वीं नेशनल बेंच प्रेस चैंपियनशिप में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीते थे। उनके परिवार में उनके पिता ऐश्वर्य आचार्य (50), जो एक कॉन्ट्रैक्टर हैं, और उनके परिजन गहरे शोक में हैं। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है, इसलिए एफआईआर नहीं हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच जारी है।

टैब प्राप्त छात्रों का संस्कृत विद्यालय में किया सम्मान

चिराना। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय पुरोहितों की ढाणी में मंगलवार को टैबलेट प्राप्त छात्राओं मोनिका गुर्जर एवं लक्ष्मी कंवर का सम्मान साफा एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर प्रधानाचार्य किशोरी लाल सिंघल व स्टाफ सदस्यों द्वारा किया गया । आपको बात दे की उक्त छात्राओं ने प्रवेशिका परीक्षा 2023 2024 में जिला मैरिट में स्थान प्राप्त करने पर राज्य सरकार द्वारा इनको टैबलेट प्रदान किया है ।विद्यालय परिवार उत्साह वर्धन हेतु इन बालिकाओं का सम्मान अपने विद्यालय स्तर पर किया ताकि अन्य विद्यार्थियों में भी इसके प्रति भावना बढ़े। दोनों ही छात्राएं कक्षा 8 में अव्वल आने पर सत्र 2021-22 में भी राज्य सरकार द्वारा टैब प्राप्त कर चुकी हैं ।आयोजित हुए इस कार्यक्रम में प्रदीप कुमार शर्मा ,संतोष कुमार कुमावत, सरिता कुमारी,मनीष कुमार,मुकेश कुमार,श्रवण कुमार जांगिड़,गोवर्धन शर्मा ,गंगाधर कल्याण,गायत्री रेगर, जयप्रकाश,पूजा पारीक,मुकेश कुमार सहित विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मैच के दौरान आतिशबाजी के चलते बड़ा हादसा, आग में 50 लोग झुलसे

केरल। बीती मंगलवार रात केरल में एक बड़ा हादसा हो गया। दरअसल, मलप्पुरम जिले के अरिकोड शहर में फुटबॉल मैच के दौरान 50 से ज्यादा दर्शक आग में झुलस गए, मैच शुरू होने के ठीक पहले ये घटना हुई। मुकाबले से पहले आयोजकों ने जोरदार आतिशबाजी का कार्यक्रम किया। इसी दौरान पटाखे अनियंत्रित होकर स्टेडियम में बैठे दर्शकों के बीच जाकर फूटने लगे। ऐसे में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत ये रही कि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई लेकिन दो दर्शक इस हादसे में बुरी तरह झुलसे हैं और उनका इलाज जारी है। अरिकोड पुलिस ने बताया कि मल्लपुरम जिले में अरिकोड इलाके के एक स्टेडियम में सेवंस, फुटबॉल टूर्नामेंट के एक मैच के दौरान आतिशबाजी के कारण 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों में से दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य लोगों की चोटें गंभीर नहीं है। मैच से ठीक पहले पटाखे जलाए जाने के दौरान ये दुर्घटना हुई। मैदान के नजदीक बैठे दर्शकों के बीच पटाखे गिरने से लोग झुलसे। आयोजकों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 288 और 125 बी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पंजाब सरकार ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसते हुए राज्य में 52 पुलिस अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया

पंजाब। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा नई दिल्ली में पंजाब के विधायकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करने के कुछ ही दिनों बाद, राज्य सरकार ने सोमवार को भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की। पंजाब पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने कदाचार के दोषी पाए गए 52 पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करके सख्त कार्रवाई की है। यह कार्रवाई अनियमितताओं के आरोप में मुक्तसर के जिला आयुक्त को निलंबित किए जाने के दो दिन बाद की गई है। पंजाब के शासन में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है - जो भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य की लड़ाई को फिर से परिभाषित कर सकता है। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा नई दिल्ली में पंजाब के विधायकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करने के कुछ ही दिनों बाद, राज्य सरकार ने सोमवार को भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की। एक नाटकीय फेरबदल में, पंजाब के शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारी, राज्य सतर्कता ब्यूरो के मुख्य निदेशक वरिंदर कुमार को कथित तौर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी निष्क्रियता के कारण उनके पद से हटा दिया गया है, जबकि मुक्तसर साहिब के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) राजेश त्रिपाठी को भ्रष्टाचार के आरोपों में निलंबित कर दिया गया है। सर्जिकल सटीकता के साथ की गई इस कार्रवाई को आप विधायकों द्वारा उठाई गई चिंताओं का सीधा नतीजा माना जा रहा है, जिन्होंने कथित तौर पर भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में अक्षमताओं और सतर्कता ब्यूरो के भीतर एक समानांतर प्रणाली की मौजूदगी को चिन्हित किया था। सरकार ने अब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नागेश्वर राव को राज्य सतर्कता ब्यूरो का नया प्रमुख नियुक्त किया है, जिससे कुमार के नेतृत्व में कथित तौर पर रुकी हुई जांच में नई ऊर्जा भरने की उम्मीद है। इन साहसिक कदमों के साथ, भगवंत मान सरकार ने एक स्पष्ट संदेश दिया है - भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और कोई भी अधिकारी जांच से परे नहीं है। हाल ही में की गई कार्रवाई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक से उपजी है - विधानसभा चुनावों में आप की करारी हार के बाद - जहां आप के पंजाब विधायकों, मुख्यमंत्री भगवंत मान, सभी कैबिनेट मंत्रियों ने केजरीवाल और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक से मुलाकात की।

उप्र विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गयी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बुधवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गयी। बजट सत्र के दूसरे दिन विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना ने पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के निधन से देश को अपूरणीय क्षति हुई है। महाना ने कहा कि सिंह के निधन से पूरा सदन शोकाकुल है। अध्यक्ष ने अपनी और सदन की ओर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। विधानसभाध्यक्ष ने दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉक्टर मनमोहन सिंह के संपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। महाना ने बताया कि सिंह छह बार राज्यसभा के सदस्य और 1998 से 2004 तक राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रहे। उन्होंने भारत सरकार के महत्वपूर्ण मंत्रालयों और विभागों में कार्य किया। भारत में आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले पूर्व वित्त मंत्री और दो बार प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह का पिछले वर्ष 26 दिसंबर को निधन हो गया था। वह 92 साल के थे। कांग्रेस नेता सिंह 2004 से 2014 तक, 10 वर्ष देश के प्रधानमंत्री रहे। उससे पहले उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में मदद की। विधानसभा के दो पूर्व सदस्यों को भी श्रद्धांजलि दी गयी, जिनकी हाल में मृत्यु हो गयी थी। फतेहपुर जिले के बिंदकी क्षेत्र के पूर्व विधायक अमरजीत सिंह जनसेवक और गोंडा जिले के कर्नलगंज क्षेत्र के पूर्व विधायक अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला के निधन पर अध्यक्ष ने शोक प्रस्ताव रखा। सदन ने दो मिनट मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी।

रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाएं जाने पर काशी में जशन

* बीजेपी कार्यकर्ताओं ने एक-दुसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी

* बीजेपी ने इस बार 27 साल बाद दिल्ली में जीत दर्ज की है

-सुरेश गांधी

वाराणसी। दिल्ली की शालीमार ब्बाग सीट से विधायक रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाएं जाने पर जश्न का माहौल है। बीजेपी कार्यकताओं ने एक-दुसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। बीजेपी ने तमाम कयासों को पीछे छोड़ते हुए महिला चेहरे पर दांव खेला है और वैश्य समाज से आनेवाली रेखा गुप्ता को सीएम बनाने का फैसला किया है. अब गुरुवार को रामलीला मैदान में वह दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगी. विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इस बार 27 साल बाद दिल्ली में जीत दर्ज की है. बीते एक दशक से राजधानी में आम आदमी पार्टी सत्ता में थी जिसे इस बार सिर्फ 22 सीटों पर जीत मिली है. वहीं बीजेपी ने 70 में से 48 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया.

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं हज कमेटी उत्तर प्रदेश के सदस्य सरवर सिद्दीकी ने दिल्ली बीजेपी के विधायक दल का नेता चुने जाने पर रेखा गुप्ता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। बता दें, रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है और कॉलेज टाइम से ही वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी रहीं. उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ में अध्यक्ष और सचिव पद का चुनाव भी जीता था. उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ में अध्यक्ष और महासचिव पद का चुनाव भी जीता था. इसके अलावा वह तीन बार दिल्ली नगर निगम में पार्षद रही हैं और साउथ दिल्ली की मेयर भी रह चुकी हैं. मूल रूप से हरियाणा के जींद से आने वाली रेखा गुप्ता का जन्म साल 1974 में जुलाना में हुआ था. एसबीआई बैंक में पिता की नौकरी लगने के बाद उनका परिवार दिल्ली शिफ्ट हो गया था. हालांकि अब भी उनका परिवार जुलाना में कारोबार करता है. दिल्ली से सटे हरियाणा से ताल्लुक रखने की वजह से रेखा गुप्ता का अपने गृह राज्य में आना-जाना होता रहता है. रेखा गुप्ता की शादी दिल्ली के बिजनेसमैन मनीष गुप्ता से हुई है. विधायक बनने से पहले रेखा गुप्ता बीजेपी में संगठन के स्तर पर भी अहम जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं. वह बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं और दिलल्ली बीजेपी में महासचिव का पद संभाल चुकी हैं. डीयू के दौलत राम कॉलेज से पढ़ाई करने वाली रेखा गुप्ता के पास एलएलबी की डिग्री है. खास बात यह है कि वह लंबे वक्त से आरएसएस की सक्रिय सदस्य हैं और संघ के कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती आई हैं.

अज्ञात बंदूकधारियों ने बस पर चलाई अंधाधुंध गोलियां, पंजाब प्रांत के 7 लोगों की दर्दनाक मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को एक दर्दनाक घटना घटी, जब अज्ञात बंदूकधारियों ने एक बस में सवार सात यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह हमला तब हुआ जब बस प्रांतीय राजधानी क्वेटा से पंजाब प्रांत जा रही थी और बरखान क्षेत्र से गुजर रही थी। बंदूकधारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवरोधक लगाकर बस को रोका, फिर यात्रियों के पहचान पत्र की जांच की और सात लोगों को जबरन पास की पहाड़ी पर ले जाकर गोली मार दी। इसके बाद गोलियों की आवाज सुनाई दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिन सात लोगों की हत्या की गई, वे सभी पंजाब प्रांत के रहने वाले थे और लाहौर जा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बलों ने इलाके में पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन फिलहाल हत्यारों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी समूह ने नहीं ली है, लेकिन बलूचिस्तान में जातीय बलूच आतंकवादी समूह अक्सर पंजाब के लोगों को निशाना बनाते रहते हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। जरदारी ने इसे कायरतापूर्ण और जघन्य कृत्य₹ बताया और कहा कि आतंकवादी शांति और मानवता के दुश्मन हैं। वहीं, प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि ₹बेगुनाह नागरिकों की कुबार्नी व्यर्थ नहीं जाएगी₹ और सरकार तथा सुरक्षाबल आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की और अपराधियों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया।

पाकिस्तान में भारत का एक और दुश्मन आतंकी ढेर! मोटरसाइकिल सवार ने लश्कर पी डब्लू चीफ काशिफ को गोलियों से भूना

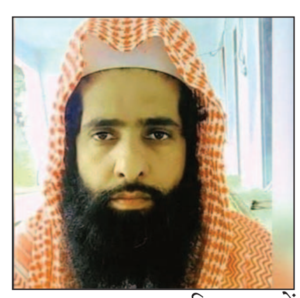

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में भारत के दुश्मन आतंकवादियों के सफाए का सिलसिला जारी है। खैबर पख्तूनख्वा के स्वाबी जिले में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर मौलाना काशिफ अली अज्ञात हमलावरों का शिकार बन गया । बाइक सवार बंदूकधारियों ने काशिफ अली पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उसकी हत्या कर दी। काशिफ अली मदरसों और मस्जिदों का इंचार्ज था और पाकिस्तानी युवाओं को जिहाद के नाम पर आतंकवाद की राह पर धकेलता था। लश्कर के राजनीतिक संगठन पीएमएमएल से भी उसका गहरा संबंध था । वह आतंकवादियों को ट्रेनिंग कैंपों में जिहादी लेक्चर देता और नए रंगरूट तैयार करता था।

काशिफ अली की हत्या के बाद लश्कर से जुड़े संगठनों में जबरदस्त खलबली मच गई। कई संगठनों ने पाकिस्तान सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की आलोचना करते हुए हत्यारों को पकड़ने की मांग की । सोशल मीडिया पर भी पाकिस्तान सरकार को घेरा जा रहा है, जहां आतंक समर्थक गुटों ने आरोप लगाया कि काशिफ अली को इसलिए मारा गया क्योंकि वह पाकिस्तान से प्यार करता था । बीते एक महीने में लश्कर-ए-तैयबा के चार आतंकवादी रहस्यमयी परिस्थितियों में मारे गए हैं । इनमें से दो की संदिग्ध सड़क हादसों में मौत हुई थी जबकि अब काशिफ अली को भी मार गिराया गया। इन घटनाओं के बाद आतंकी संगठनों के बड़े सरगनाओं में डर और गुस्से का माहौल है। वे पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसियों को शक की नजर से देख रहे हैं और लगातार सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। लगातार हो रही रहस्यमयी हत्याओं से यह सवाल उठने लगा है कि पाकिस्तान में आतंकियों का सफाया हो रहा है या फिर यह किसी बड़ी साजिश का हिस्सा है। खुफिया एजेंसियां इस पर चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन लश्कर से जुड़े गुटों की बौखलाहट साफ दिख रही है।

जम्मू-कश्मीर के जंगलों में लगी भयानक आग, राख में बदला इलाका

शोपियां (मीर आफताब)। जम्मू-कश्मीर के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। आज जंगल में आग लगने एक और नया मामला सामने आया है। शोपियां के जोरा के जंगलों में उस समय भीषण आग की घटना सामने आई, जब सूखी घास और झाड़ियों के एक बड़े क्षेत्र में आग लग गई। जिसके कारण कई पेड़ भी प्रभावित हुए।

तेज हवाओं के कारण राख तेजी से फैलने लगी, जिससे आसपास के क्षेत्र में आग लगने का गंभीर खतरा पैदा हो गया। दमकल कर्मी, स्थानीय लोग और संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। क्षेत्र में तेज हवाओं के कारण आग तेजी से झाड़ियों और सूखे पेड़ों तक फैल गई और राख आसपास के क्षेत्रों में फैल गई, जिससे गंभीर पर्यावरणीय खतरा पैदा हो गया।

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है, जबकि स्थानीय लोगों और पुलिस ने भी इस अभियान में उनकी सहायता की। इस बीच, पुलिस ने आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए मामला दर्ज कर लिया है। इस बीच अनंतनाग जिला जेल के पास झाड़ियों में आग लगने से दहशत फैल गई। इस आग पर भी काबू पा लिया गया है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले शुष्क मौसम के कारण कश्मीर घाटी के कई जंगलों में भीषण आग लग गई थी।